



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 175]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 27, 2005/आषाढ़ 6, 1927

No. 175]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 27, 2005/ASADHA 6, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

( वाणिज्य विभाग )

( पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 जून, 2005

अंतिम जांच परिणाम

विषय : इण्डोनेशिया और थाईलैण्ड मूल के अथवा वहां से निर्यातित जिप्सम प्लास्टर बोर्ड के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच — अंतिम जांच परिणाम।

सं. 14/29/2003/डीजीएडी.— वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन एवं वसूली और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995, को ध्यान में रखते हुए:

क. प्रक्रिया:

2. जांच के संबंध में नीचे निर्धारित प्रक्रिया अपनायी गई है :-

- i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) को मैसर्स इंडिया जिप्सम लि० से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ था जिसमें इंडोनेशिया और थाईलैण्ड (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) मूल के अथवा वहां से निर्यातित जिप्सम प्लास्टर बोर्ड (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध माल कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया था।
- ii) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत आवेदन की प्रारंभिक जांच में कतिपय कमियां प्रकट हुई थी जिन्हें बाद में आवेदकों द्वारा ठीक कर दिया गया था।

- iii) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के उप-नियम 5(5) के अनुसार जांच की कार्रवाई शुरू करने से पहले पाटन के आरोप की प्राप्ति के विषय में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को सूचित किया ।
- iv) प्राधिकारी ने 28 जून, 2004 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था जिसके द्वारा संबद्ध देशों से जिप्सम प्लास्टर बोर्ड के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच शुरू की गयी थी जो आमतौर पर सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की अनुसूची-1 के शीर्ष/उपशीर्ष 6809.11 के अंतर्गत शामिल है ।
- v) प्राधिकारी ने उक्त सार्वजनिक सूचना की प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों, आयातकों को भेजी और उन्हें लिखित में अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर दिया ।
- vi) प्राधिकारी ने उक्त नियम 6 के उप नियम (3) के अनुसार भारत में संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों एवं दूतावासों को आवेदन की प्रति भेजी:-
1. सियाम सीमेंट ट्रेडिंग  
1 सियाम सीमेंट रोड,  
बैंगसुई, बैंकाक-10800  
थाइलैंड
  2. थाई जिप्सम प्रोडक्ट्स पीसीएल  
जिप्सम मेट्रोपॉलिटन टॉवर,  
539/2 सि आयुध्या रोड,  
रच्चाथेवी, बैंकाक -10400  
थाइलैंड
  3. पेट्रोजाया बोरल प्लास्टर बोर्ड, पीटी  
जे 1, प्रो. डा. मोच यामिन लिंगकुनगान  
इंडस्ट्री केसिल (लिक) डेसा रूमो  
केकामटन मन्यार  
ग्रेसिक - 61151, इण्डोनेशिया

4. पीटी नौफ इण्डोनेशिया (टीजीएसआई)  
हार्मोनी प्लाजा ब्लॉक,  
बी-22-24, जी, सूर्योप्रनोटो सं. 2,  
जकार्ता-10160, इंडोनेशिया
5. पीटी सियामिण्डो जिप्सम इण्डस्ट्री  
जेएल इन्स्पेक्सी, कालीमलंग केएम2,  
बेसागण्डा मेकर,  
सिटी तुंग बेकासी, इण्डोनेशिया
6. पीटी पेट्रोजाया बोरल प्लास्टर बोर्ड,  
गृह मोबिसेल चौथी मंजिल,  
मम्पांग प्रपटन राया 139  
जकार्ता 17790  
इंडोनेशिया
7. मैसर्स एससीटी कं० लि०  
1 सियाम सीमेंट रोड, बंग्सुई,  
बैंकाक, 10800  
जीपीओ बॉक्स 1557,  
थाईलैण्ड
8. मैसर्स दि सियाम जिप्सम इण्डस्ट्री (सराबुरी) कं० लि०,  
1, सियाम सीमेंट रोड, बंग्सुई,  
बैंकाक 10800  
थाईलैण्ड
- vii) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीईसी) और (डीजीसीआईएण्डएस) से अनुरोध किया गया था कि वे संबद्ध माल के आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराएं ।
- viii) नियम 6(2) के अनुसार नई दिल्ली में संबद्ध देशों के दूतावासों को जांच शुरू करने के बारे में सूचित किया गया था और साथ ही उनसे यह अनुरोध किया

गया कि वे अपने देश के सभी संबद्ध निर्यातकों/आयातकों को प्रश्नावली का उत्तर निर्धारित समय के भीतर देने की सलाह दें। उन्हें निर्यातकों को भेजे गए पत्र, आवेदन पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भी भेजी गई थी।

- ix) नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध माल के निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं को एक प्रश्नावली भेजी गई थी:

मैसर्स यूनिडस एसोसिएट्स  
1/101-बी, डब्ल्यूएचएस, कीर्ति नगर,  
नई दिल्ली-110015

मैसर्स शापूर्जी पल्लोन्जी एण्ड कंपनी लि०,  
न्यू इंडिया सेंटर, 10 वां तल  
ओवल मैदान के सामने  
17, कूपरेज रोड,  
कूपरेज, मुंबई-400001

मैसर्स आकार एसोसिएट्स  
नेहरा टिम्बर मार्केट सं० 4,  
सत्तना नाईकेन स्ट्रीट,  
चेन्नई-600012

मैसर्स विकास ट्रेडिंग कं०  
सं० 99, सूर्या काम्पलेक्स,  
द्वितीय तल, आर.वी. रोड, निकट लाल  
बाग वेस्ट गेट, बास्वनागुडी  
बंगलौर-560004.

रिजेन्ट प्लास्टर बोर्ड एण्ड प्रोडक्ट्स लि०,  
303, उमा टावर्स,  
सिंधी कालोनी  
सिकन्दराबाद-500003.

मेटल वर्थ इंडस्ट्रीज लि०  
703, शिवालया बिल्डिंग,  
एथिसज सलाई, एगमोरे,  
चेन्नई-600105

एबनेज ट्रेडिंग हाउस प्रा० लि०,  
1020, मेत्तुपलायम रोड,  
आर.एस.पुरम,  
कोयम्बतूर-641002.

श्री वेंकटेश्वरा एन्टरप्राइजेज  
3-5, 141/1, इडन बाग, रामकोट,  
हैदराबाद-500034

मैसर्स ओडीडी जॉब्स  
6-3-350, प्रथम तल, रोड नं० 1,  
बंजारा हिल्स,  
हैदराबाद-500034

डीएलएफ यूनिवर्सल लि०,  
शॉपिंग माल काम्पलेक्स  
अर्जुन मार्ग, डीएलएफ कुतुब इन्कलेव,  
फेज-1, गुडगाँव, हरियाणा

एच.पी. इन्वेस्ट  
3, क्रिएटर आईटीपीओ,  
बंगलौर-560066.

इन्फोसिस टेक्नोलॉजीज लि०  
इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी,  
बंगलौर-560229

हनी वैल टेक्नोलॉजीज सोल्यूशन लैब  
151/1, दराय सामी पालिया,  
बन्नारघट्टा रोड,  
बंगलौर-560076

साईकेज एंटरप्राइजेज (आई) प्रा0 लि0,  
23/5, ले ग्लेरिया,  
एयरपोर्ट रोड,  
बंगलौर-560008.

- x) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को 28 मार्च, 2005 को हुई एक सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर दिया। अपने विचार प्रकट करने वाले सभी पक्षकारों से व्यक्त किए गए अपने विचारों को लिखित में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। पक्षकारों को विरोधी पक्षकारों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां एकत्र करने और उनका खंडन, यदि कोई हो, करने की सलाह दी गई।
- xi) प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार जांच के लिए विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश वाली सार्वजनिक फाइल सभी हितबद्ध पक्षकारों के लिए उपलब्ध रखी।
- xii) जांच आरम्भ होने के पश्चात हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए तर्क, सार्वजनिक सुनवाई के बाद और प्रकटन विवरण के उत्तर में उठाए गए तर्कों पर इन जांच परिणामों में विचार किया गया है।
- xiii) उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों/आधार को ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के समक्ष एक प्रकटन विवरण के द्वारा 7 जून, 2005 को प्रकट किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत विचार किया गया।
- xiv) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों और घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत तथा संबद्ध वस्तु

को बनाने और बेचने की लागत निकालने के लिए घरेलू उद्योग की मौके पर जांच (जैसा आवश्यक हो) सहित लागत जांच की गई थी।

xv) \*\*\* यह चिह्न इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना तथा नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उसे ऐसा ही माने जाने का द्योतक है।

xvi) इस जांच में 1 जनवरी, 2003-31 दिसंबर, 2003 तक की अवधि शामिल है। क्षति विश्लेषण में तीन पूर्ववर्ती वर्ष 2000-01, 2001-02 और 2002-03 और जांच की अवधि शामिल है।

xvii) प्रारंभिक सूचना की प्रतियां व्यापक परिचालन के लिए फिक्की, सी आई आई, एसोचेम इत्यादि को भी भेजी गई थी।

ख. याचिकाकर्ता, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार और प्राधिकारी द्वारा जांच

3. निम्नलिखित से उत्तर प्राप्त हुए थे:

**निर्यातक:**

मै0 पी.टी. पेट्रोजया बोराल प्लास्टर बोर्ड, इंडोनेशिया

मै0 सियाम जिप्सम इंडस्ट्री (साराबुरी) कं0 लि0 और मै0 एस सी टी कं0 लि0 थाईलैंड

**आयातक:**

मै0 शपूरजी पलोनजी एंड कं0 लि0, मुंबई

मै0 विकास ट्रेडिंग कंपनी, बंगलौर

4. विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों पर प्रकटन विवरण-पत्र में चर्चा की गई है। जिन विचारों पर प्रकटन विवरण-पत्र में पहले विचार नहीं किया गया है और जो मुद्दे अब प्रकटन विवरण के जवाब में उठाए गए हैं, उन

पर नीचे दिए गए संगत पैराग्राफों में उस सीमा तक विचार किया गया है जहां तक वे नियमों के अनुसार संगत हैं और जहां तक वे इस मामले पर प्रभाव डालते हैं। हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए तर्कों की जांच की गई है और जहां कहीं भी उचित समझा गया है, नीचे दिए संगत पैराग्राफों में उन पर विचार किया गया है।

5. पाटन और क्षति के अलावा अन्य मुद्दों पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए तर्क:

(i) सूचना की गोपनीयता:

निर्यातक मै0 सियाम जिप्सम इंडस्ट्री (साराबुरी) कं0 लि0 (एस जी आई एस बी ) और आयातक मै0 विकास ट्रेडिंग कंपनी द्वारा यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग ने अत्यधिक गोपनीयता का सहारा लिया है। इसके अलावा याचिका में पूरी सूचना या तो प्रकट नहीं की गई है अथवा यह ध्यान दिए बिना दी गई है कि क्या यह सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है अथवा नहीं। प्राधिकारी ने इन तर्कों की जांच की है। घरेलू उद्योग ने आवेदन के अगोपनीय अंश उपलब्ध कराए हैं जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ सम्बद्ध देशों से अयातों, अन्य देशों, इंडोनेशिया और थाईलैंड में ब्याज दरों, समुद्री भाड़ा दरें, आई बी आई एस आयात आंकड़े, डी जी सी आई एंड एस आयात आंकड़े, इंडिया जिप्सम लि0 (आई जी एल) की वार्षिक रिपोर्ट के बारे में सूचना शामिल है। आवेदन में स्थापित क्षमता, उत्पादन, आबद्ध खपत, बिक्री, प्रारंभिक और अंतिम स्टॉक, बिक्री की लागत, लाभ/हानि, लगाई गई पूंजी, रोजगार और मांग के बारे में सूचीबद्ध सूचना शामिल है। वास्तविक क्षमता उपयोग प्रतिशत और बाजार हिस्से में हिस्सा (%) भी आवेदन में दिया गया है। प्राधिकारी ने यह भी नोट किया कि निर्यातक/आयातक ने आई जी एल की वार्षिक रिपोर्ट उपलब्ध कराई थी जिसके आधार पर निर्यातक/आयातक ने विभिन्न क्षति मानदंडों पर विस्तृत तर्क दिए हैं। प्राधिकारी पाते हैं कि घरेलू उद्योग ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट और अगोपनीय आवेदन के माध्यम से क्षति से संबंधित पर्याप्त सूचना उपलब्ध कराई है। निर्यातक एसजीआईएसबी और विकास ट्रेडिंग कं0 के घरेलू उद्योग के पर्याप्त अगोपनीय सूचना उपलब्ध न कराने के बारे में दिए गए तर्कों को सही नहीं पाया गया था।



घरेलू उद्योग ने यह भी तर्क दिया है कि निर्यातकों, पी टी पेट्रोजया बोराल प्लास्टर बोर्ड (पीजेबीपी) और एस सी टी/एस जी आई एस बी, थाईलैंड द्वारा प्रस्तुत उत्तर पूर्णतः त्रुटिपूर्ण थे और ये पर्याप्त अगोपनीय सूचना उपलब्ध नहीं कराते हैं। प्राधिकारी ने दोनों निर्यातकों को सूचना की गोपनीयता का दावा करने के लिए अच्छा कारण दर्शाने के लिए लिखा है। जबकि मै0 एस सी टी/मै0 एस जी आई एस बी ने यह उल्लेख करते हुए उत्तर दिया है कि सूचना को गोपनीय होने का दावा किया गया है जो प्रकृति में गोपनीय है और इसके प्रकटन का सियाम जिप्सम और इसकी उपभोक्ताओं पर पर्याप्त विपरीत प्रभाव पड़ेगा। जहाँ तक सूचीबद्ध और संक्षिप्त सूचना का संबंध है उन्होंने प्राधिकारियों से आगे दिशा-निर्देश मांगे हैं। एसजीआईएसबी की एन सी वी में कंपनी, इसके शेयर धारकों, कारखाना कार्यालयों का स्थान इत्यादि, बिक्री, वितरण श्रृंखला, लेखा प्रणाली और नीतियाँ, उत्पादन प्रक्रिया इत्यादि के बारे में सूचना से संबंधित खंड में सूचना शामिल है। उत्पादन की लागत, वास्तविक बिक्री और समायोजनों से संबंधित सूचना के गोपनीय होने का दावा किया गया है और प्राधिकारी का विचार है कि यह सूचना गोपनीय मानी जाएगी। उन्होंने कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट भी उपलब्ध कराई है। प्राधिकारी का विचार है कि निर्यातक ने अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत करने के लिए अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अगोपनीय सूचना उपलब्ध कराई है।

जहां तक पी जे पी बी का संबंध है, उनका उत्तर त्रुटिपूर्ण था और कंपनी ने प्राधिकारी द्वारा भेजे गए पत्र का उत्तर नहीं दिया है। कंपनी की एन सी बी में कंपनी, इसके शेयर धारकों, कारखाना कार्यालयों के स्थान आदि, बिक्री, वितरण श्रृंखला, लेखा प्रणाली और नीतियाँ, उत्पादन प्रक्रिया इत्यादि के बारे में सूचना से संबंधित खंड में सूचना शामिल है। उत्पादन की लागत, वास्तविक बिक्री और समायोजनों से संबंधित सूचना को गोपनीय होने का दावा किया गया है जिसे प्राधिकारी द्वारा गोपनीय माना गया है। प्राधिकारी का विचार है कि निर्यातक ने अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत करने के लिए अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अगोपनीय सूचना उपलब्ध कराई है। तथापि कंपनी ने उनको भेजे गए अपने पत्राचार का उपयुक्त उत्तर न देकर प्राधिकारी के साथ पूर्ण सहयोग नहीं किया है।

प्रकटन के उत्तर में घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी पूर्ण विवरण न देने वाले निर्यातकों पर गैर-सहयोगी के रूप में विचार कर सकते हैं।

प्राधिकारी विचार करते हैं कि निर्यातकों द्वारा उस सीमा तक प्रस्तुत सूचना, जिस सीमा तक यह बिना किसी परेशानी के जांच में उपयोग की जा सकती है, पाटनरोधी करार के अनुबंध 11 के पैरा 3 के अनुसरण में प्राधिकारी द्वारा उपयोग की जा सकती है अतः प्राधिकारी ने निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना का उस सीमा तक उपयोग किया है जिस सीमा तक इसे जांच में उपयोग किया जा सकता है।

**(ii) क्रमिक जांच**

एसजीआईएसबी और विकास ट्रेडिंग कंपनी ने तर्क दिया है कि वर्तमान जांच क्रमिक जांच थी जब इसी उत्पाद पर पूर्ववर्ती जांच प्राधिकारी द्वारा 2.9.2003 को रद्द कर दी गई थी। घरेलू उद्योग ने इन तर्कों का यह कहते हुए विरोध किया है कि पूर्ववर्ती जांच इसलिए रद्द कर दी गई थी क्योंकि घरेलू उद्योग ने अपने आप पहल करके आवेदन वापस ले लिया था। प्राधिकारी ने तर्कों की जांच की और पाया कि ये वर्तमान जांच से संबद्ध नहीं थी।

**(iii) धारा 5.2, 5.3, 6.1.3 और 6.5 का उल्लंघन:**

एस जी आई एस बी और विकास ट्रेडिंग ने तर्क दिया है कि वर्तमान जांच धारा 5.2, 5.3, 6.1.3 और 6.5 के उल्लंघन में है। तथापि, उन्होंने यह उल्लेख नहीं किया है कि कैसे जांच ने करार की उपर्युक्त धाराओं का उल्लंघन किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन हितबद्ध पक्षकारों ने सिर्फ इन धाराओं को कथित उल्लंघन के बारे में विवरण दिए हैं। तथापि प्राधिकारी ने जांच आरम्भ करने से पूर्व सूचना की उपयुक्तता और वास्तविकता की जांच की है। सभी ज्ञात निर्यातकों और सम्बद्ध देशों की सरकारों ने धारा 6.1.3 के अनुसार लिखित आवेदन का पूरा ब्यौरा उपलब्ध कराया है। सूचना की गोपनीयता से संबंधित तर्कों पर अलग से विचार किया गया है। अतः प्राधिकारी इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकट किए गए तर्कों में कोई सार नहीं पाते हैं।

**(iv) सामान्य मूल्य के बारे में विरोधात्मक दावे:**

एस जी आई एस बी और विकास ट्रेडिंग कं० ने भी तर्क दिया है कि आवेदक ने आवेदन में सामान्य मूल्य के बारे में विरोधात्मक दावे किए हैं। इस तर्क का

विरोध करते हुए घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि नियम 5 के अनुसार सभी अनिवार्य अपेक्षाओं का पालन किया गया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने थाईलैंड में सामान्य मूल्य के बारे में सूचना एक विनिर्माता की घरेलू कीमत के रूप में उपलब्ध कराई है। तथापि सामंजस्य बनाए रखने के कारण से उन्होंने दोनों देशों के लिए परिकलित सामान्य मूल्य का अनुमान लगाना है। प्राधिकारी ने इन तर्कों की जांच की है और पाया है कि आईजीएल, याचिकाकर्ता ने दोनों देशों के लिए परिकलित सामान्य मूल्य अनुमान दिए हैं और जहां तक सामान्य मूल्य का संबंध है आवेदन में उनके द्वारा कोई विरोधात्मक दावे नहीं किए गए हैं।

#### ग. विचाराधीन उत्पाद, समान वस्तु और घरेलू उद्योग:

##### 6. विचाराधीन उत्पाद:

विचाराधीन उत्पाद सभी प्रकार और आकार का जिप्सम प्लास्टर बोर्ड है। जिप्सम प्लास्टर बोर्ड सामान्यतः विभिन्न माप और आकारों में बनाया और आपूर्ति किया जाता है जिसकी मोटाई 6-16 मिमी., चौड़ाई 600-1250 मिमी. और लम्बाई 1800-3200 मिमी. होती है। जिप्सम प्लास्टर बोर्ड का उपयोग मुख्यतः भवनों की भीतरी सज्जा के लिए विभाजन और नकली छत के लिए किया जाता है। सजावट उपलब्ध कराने के अतिरिक्त यह अग्निसह उत्पाद है। यह उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के उप-शीर्ष 6809.11 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि, इस उत्पाद का आयात सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क उपशीर्ष 6809 1900, 6809 9000 और 6811 9000 के अंतर्गत किया जाता रहा है। तथापि यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और किसी भी प्रकार से वर्तमान जांच के दायरे पर बाधकारी नहीं है। विचाराधीन उत्पाद के संबंध में कोई तर्क नहीं उठाए गए हैं। प्राधिकारी मानते हैं कि विचाराधीन उत्पाद का दावा सभी प्रकार और आकार का जिप्सम प्लास्टर बोर्ड है जैसाकि प्रारंभिक जांच अधिसूचना में वर्णन किया गया है।

##### 7. समान वस्तु

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उनके द्वारा विनिर्मित उत्पाद और आयातित उत्पाद के बीच कोई अंतर नहीं है। इस दावे का विरोध करने का कोई कारण

नहीं है। प्राधिकारी ने पाया है कि घरेलू उत्पादक मै0 इंडिया जिप्सम लि0 (आई जी एल) द्वारा उत्पादित और बेचा जाने वाला जिप्सम प्लास्टर बोर्ड भी उन्हीं संविदाओं/वितरकों को उसी बाजार में बेचा जाता है जो सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु का भी आयात कर रहे हैं। आयातित उत्पाद और घरेलू तौर पर उत्पादित जिप्सम बोर्ड का उत्पाद विनिर्देशन समान है। प्राधिकारी ने घरेलू तौर पर उत्पादित जिप्सम बोर्ड को आयातित उत्पाद के वाणिज्यिक प्रतिस्थापन के रूप में पाया। ये भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, कार्यों और उपयोगों, वितरण और विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के रूप में तुलनीय है। अतः प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद को सम्बद्ध देशों से आयात की जा रही संबद्ध वस्तु के समान वस्तु मानते हैं।

#### 8. घरेलू उद्योग

मै0 इंडिया जिप्सम लि0, मुम्बई, जिसके जींद (हरियाणा) और तिरुवल्लूर (तमिलनाडु) में संयंत्र हैं, भारत में संबद्ध वस्तु का एकमात्र घरेलू उत्पादक है। वे भारत में संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादन के सौ प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं और इसलिए उन्हें नियमों के अर्थों के भीतर घरेलू उद्योग माना जाता है। उनके पास घरेलू उद्योग की ओर से आवेदन प्रस्तुत करने की अपेक्षित योग्यता थी।

#### घ. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में किए गए दावों की जांच

9. जांच शुरूआत सूचना की प्रति संबद्ध देशों के दूतावासों, निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को भेजी गई थी। प्रकटन विवरण के उत्तर में घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया है कि दोनों निर्यातकों ने घरेलू बिक्री संबंधी सूचना चुनिंदा रूप से भिजवाई है और वे अपने दायित्व को पूरा करने में विफल रहे हैं। उन्हें जांच में आंशिक रूप से सहयोगी नहीं माना जा सकता है और प्राधिकारी उन्हें असहयोगी मान सकते हैं। प्राधिकारी मानते हैं कि निर्यातक द्वारा उस सीमा तक प्रस्तुत की गई सूचना, जहां तक इसका बिना किसी कठिनाई के जांच में उपयोग किया जा सकता हो, का प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी करार के अनुबंध II के पैरा 3 के अनुसार प्रयोग किया जा सकता है। इसलिए

प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सूचना का जांच में अपेक्षित सीमा तक उपयोग किया है।

#### 10. इंडोनेशिया के लिए सामान्य मूल्य - मै0 पेट्रोजाया बोरल प्लास्टर बोर्ड

जांच शुरूआत संबंधी सूचना के उत्तर में मै0 पीटी पेट्रोजाया बोरल प्लास्टर बोर्ड, इंडोनेशिया ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। उन्होंने घरेलू बिक्री, भारत को निर्यातों, उत्पादन लागत आदि के बारे में सूचना प्रस्तुत की है। तथापि यह उत्तर पूर्ण रूप से गलत है, जिसकी जानकारी निर्यातक को दी गई है। तथापि निर्यातक ने प्राधिकारी के पत्र का कोई उत्तर नहीं दिया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने जांच में आंशिक रूप से सहयोग किया है। निर्यातक ने कुछ चुनिंदा ग्राहकों को की गई घरेलू बिक्रियों के बारे में सूचना दी थी। उसने सभी सौदेवार घरेलू बाजार बिक्रियों के बारे में सूचना नहीं दी थी। उसने प्राधिकारी के उस पत्र का भी उत्तर नहीं दिया जिसमें अन्य सूचना भी मांगी गई थी। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाये कि घरेलू बाजार में कितनी बिक्रियां कीमत की दृष्टि से व्यापार के सामान्य क्रम में थीं। निर्यातक ने प्रश्नावली के अलग-अलग परिशिष्टों में उत्पादन लागत और लाभों के बारे में सूचना दी थी। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सूचना को इसके तर्कसंगत रूप में विश्वसनीय स्तर तक प्रयोग करने को उचित माना है। प्राधिकारी ने निर्यातक के परिकलित सामान्य मूल्य के निर्धारणार्थ उत्पादन लागत, बिक्री, सामान्य प्रशासनिक व्ययों और लाभप्रदता पर विचार किया है। सामान्य मूल्य \*\*\* अम.डालर/वर्ग मीटर निर्धारित किया गया है।

#### 11. मै0 पीटी पेट्रोमाया बोरल प्लास्टर बोर्ड, इंडोनेशिया के लिए निर्यात कीमत

जांच अवधि के दौरान इस कंपनी ने भारत को \*\*\* वर्गमीटर जिप्सम प्लास्टर बोर्ड का निर्यात किया था। कंपनी ने परिशिष्ट 3.ए में निर्यात कीमत के लिए बिक्री कीमत संरचना का ब्यौस दिया है जिसमें समुद्री भाड़े, भुगतान लागत, ट्रकिंग, टीएचसी और अन्य जलयान प्रभारों के संबंध में समायोजन दर्शाये गए हैं। इस समायोजनों के पश्चात कारखाना द्वार स्तर पर निवल निर्यात कीमत \*\*\* अम.डा. प्रति वर्गमीटर निर्धारित की गई है।

## 12. इंडोनेशिया से अन्य निर्यातक

इंडोनेशिया के अन्य निर्यातक से कोई उत्तर नहीं मिला था । प्राधिकारी ने मै० पीटी पेट्रोजाया की सूचना पर विचार किया है और समायोजनों के पश्चात् इंडोनेशिया के अन्य निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य को स्वीकार किया है । सामान्य मूल्य \*\*\* अम.डा. प्रति वर्गमीटर निर्धारित किया गया है । अन्य निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत के निर्धारणार्थ पीटी पेट्रोजाया द्वारा प्रस्तुत निर्यात कीमत संबंधी आंकड़ों पर विचार किया गया है और निर्यात कीमत \*\*\* डा. प्रति वर्गमीटर निर्धारित की गई है ।

## 13. मै० सियाम जिप्सम इंडस्ट्री (साराबुरी) कं० लि० (एसजीआईएसबी) और मै० एससीटी कं० लि० (एससीटी), थाईलैंड के लिए सामान्य मूल्य:

जांच शुरूआत अधिसूचना के उत्तर में, सियाम जिप्सम इंडस्ट्री (साराबुरी) कं० लि० (एसजीआईएसबी) और मै० एससीटी कं० लि० (एससीटी) थाईलैंड ने उत्तर दिया था । एसजीआईएसबी संबद्ध वस्तु का एक उत्पादक है । घरेलू बिक्रियाँ एक अन्य समूह कंपनी मै० सेमेथाई सेल्स एण्ड मार्केटिंग कं० लि० (सीएसएल) द्वारा की जाती हैं और निर्यात बिक्रियाँ एससीटी द्वारा की जाती हैं। प्राधिकारी ने एसजीआईएसबी को ब्यौरेवार पत्र भेजा था जिसमें अधिक सूचना एवं स्पष्टीकरण मांगे गए थे । कंपनी ने कुछ सूचना उपलब्ध कराई परन्तु वह पूर्ण नहीं थी । इन परिस्थितियों में प्राधिकारी का यह विचार है कि निर्यातक ने जांच में आंशिक सहयोग किया है । कंपनी की \*\*\* वर्ग मीटर की घरेलू बिक्रियाँ हैं जबकि उन्होंने कुछ चुने हुए ग्राहकों को की गई घरेलू बाजार की बिक्रियों के बारे में सूचना दी थी । उसने सभी सौदेवार घरेलू बाजार बिक्रियों के बारे में सूचना नहीं दी । इन परिस्थितियों में, प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाये कि घरेलू बाजार में कितनी बिक्रियाँ कीमत की दृष्टि से व्यापार के सामान्य क्रम में थीं । निर्यातक ने प्रश्नावली के अलग-अलग परिशिष्टों में उत्पादन लागत और लाभों के बारे में सूचना दी थी । प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सूचना को इसके तर्कसंगत रूप में विश्वसनीय स्तर तक प्रयोग करने को उचित माना है । प्राधिकारी ने निर्यातक के परिकलित सामान्य मूल्य के निर्धारणार्थ उत्पादन लागत, बिक्री, सामान्य प्रशासनिक व्ययों और लाभप्रदता पर विचार किया है । प्रकटन विवरण के उत्तर में मै० सियाम जिप्सम इंडस्ट्रीज (एसजीआईएसबी) की ओर से परामर्शदाता ने

यह तर्क दिया कि मै0 सियाम जिप्सम या मै0 लाफार्ज को ब्यौरेवार प्रकटन नहीं किया गया था। प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण में सामान्य मूल्य के निर्धारण की ब्यौरेवार पद्धति दी थी। सामान्य मूल्य की वास्तविक संख्याएं भी निर्यातक को उन्हें भेजे गए गोपनीय प्रकटन के जरिए बताई गई थी। कारखाना द्वार स्तर पर सामान्य मूल्य \*\*\* अम.डा./वर्ग मी. निर्धारित किया गया है।

#### 14. मै0 एससीटी थाईलैंड के लिए निर्यात कीमत

मै0 एससीटी ने जांच अवधि के दौरान भारत को अपने निर्यातों के बारे में सूचना दी थी। कंपनी ने भारत को \*\*\* वर्ग मी. जिप्सम प्लास्टर बोर्ड का निर्यात किया था। कंपनी ने परिशिष्ट 3ए में निर्यात बिक्रियों के लिए बिक्री कीमत संरचना का ब्यौरा दिया है जिसमें अंतर्देशीय भाड़े, टर्मिनल प्रहस्तन प्रभारों, सीमाशुल्क निकासी और अन्य पत्तन प्रभारों के संबंध में समायोजन दर्शाए गए हैं। इन समायोजनों के बाद कारखाना द्वार स्तर पर निवल बिक्री कीमत \*\*\* अम.डा./वर्ग मी. निर्धारित की गई है।

#### 15. थाईलैंड से अन्य निर्यातक

थाईलैंड के अन्य निर्यातकों से कोई उत्तर नहीं मिला था। प्राधिकारी ने निर्यातकों, मै0 एसजीआईएसबी और मै0 एससीटी की सूचना पर विचार किया है और समायोजनों के बाद थाईलैंड के अन्य निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य को स्वीकार किया है। सामान्य मूल्य \*\*\* अम.डा./वर्ग मी. निर्धारित किया गया है। मै0 एससीटी द्वारा प्रस्तुत निर्यात कीमत के आंकड़ों पर अन्य निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत निर्धारित करने के लिए विचार किया गया है। निर्यात कीमत \*\*\* अम.डा. प्रति वर्ग मी. निर्धारित की गई है।

#### 16. पाटन मार्जिन

प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 में यथाउल्लिखित सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के निर्धारण को शासित करने वाले सिद्धांतों को अपने की संगत नीति का पालन किया है। पाटन मार्जिनों का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 6 में उल्लिखित सिद्धांत के अनुसरण में निर्यात कीमत के साथ सामान्य मूल्य की उचित तुलना के आधार पर किया

गया है। यह तुलना व्यापार के समान स्तर अर्थात् कारखाना द्वार स्तर पर की गई है। जिप्सम प्लास्टर बोर्ड की संगत तुलनीय किस्म के कारखाना द्वार स्तर पर सामान्य मूल्य की तुलना कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत के साथ की गई है। ऊपर यथानिर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर, प्राधिकारी ने निम्नलिखित पाटन मार्जिन(%) निर्धारित किए हैं-

| डा. प्रति वर्ग मी. | इंडोनेशिया -<br>पीटी पेट्रोजाया<br>बोरल | इंडोनेशिया -<br>अन्य निर्यातक | थाईलैंड -<br>एससीटी<br>लि० कं० | थाईलैंड - अन्य<br>निर्यातक |
|--------------------|---|-------------------------------|--------------------------------|----------------------------|
| सामान्य मूल्य      | ***                                     | ***                           | ***                            | ***                        |
| निर्यात कीमत       | ***                                     | ***                           | ***                            | ***                        |
| पाटन मार्जिन       | ***                                     | ***                           | ***                            | ***                        |
| पाटन मार्जिन%      | 45.01                                   | 61.87                         | 34.04                          | 106.56                     |

#### ड. घरेलू उद्योग को हुई क्षति

#### 17. पाटनरोधी नियमावली का नियम 11 निम्नानुसार है:-

##### "क्षति का निर्धारण"

- (1) विनिर्दिष्ट देशों से आयातों के मामले में, निर्दिष्ट प्राधिकारी यह निष्कर्ष भी रिकार्ड करेगा कि भारत में ऐसी वस्तु के आयात से किसी प्रतिष्ठित उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है अथवा क्षति की आशंका है अथवा यह सामग्री भारत में किसी उद्योग की स्थापना को रोकती है।
- (2) निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमत पर उसके प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित और इन नियमों के अनुबंध-II में निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति, घरेलू उद्योग के लिए क्षति के खतरे, घरेलू उद्योग की स्थापना में वास्तविक बाधा और पाटित आयातों तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का निर्धारण करेंगे।



## 18. घरेलू उद्योग द्वारा उठाये गए मुद्दे:

घरेलू उद्योग ने आवेदन में सभी मानदंडों की दृष्टि से क्षति के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है। घरेलू उद्योग ने क्षति के संबंध में निम्नलिखित दावे किए हैं-

### (i) आयात:

संबद्ध देशों से आयातों में वर्ष 2001-02 के दौरान हुए आयातों से साढ़े तीन गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, कुल मांग की तुलना में संबद्ध देशों से हुए आयात में वर्ष 2001-02 के दौरान के स्तर से दुगुने से अधिक की वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से आयातों में भी संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादन के संबंध में वृद्धि हुई है।

### (ii) घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव:

संबद्ध देशों से पहुंच कीमत में वर्ष अप्रैल-मार्च 2002 में 69459/-रु० प्रति 1000 वर्ग मीटर की तुलना में 55294/-रु० प्रति 1000 वर्ग मीटर की जबरदस्त कमी हुई है। जांच अवधि के दौरान पाटित आयातों की कीमत घरेलू उद्योग की कीमत की तुलना में काफी कम है, जिससे घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें घटाने पर मजबूर होना पड़ा है और इससे प्रत्यक्ष रूप से उनके लाभों पर प्रभाव पड़ा है।

### (iii) भारतीय उत्पादक द्वारा धारित बाजार हिस्से में परिवर्तन:

घरेलू उद्योग का हिस्सा वर्ष 2001-02 में 97.49% से घटकर जांच अवधि के दौरान 93.95% रह गया है। घरेलू उद्योग के घटे हुए बाजार हिस्से पर संबद्ध देशों से पाटित आयातों ने कब्जा कर लिया है। बाजार हिस्से के घाटे के अलावा, घरेलू उद्योग संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा प्रस्तावित कम कीमतों के कारण बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

## (iv) गंवाई गई संविदाओं के साक्ष्य:

घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि पाटित आयातों के कारण उसने बिक्रिय गंवाई है और संविदाओं/परियोजनाओं की हानि के संबंध में साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं।

## (v) उत्पादन, क्षमता उपयोग:

देश में संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि होती रही है। क्षमता उपयोग में वर्ष 2001-02 के दौरान 45.58% से जांच अवधि के दौरान 62.16% की वृद्धि हुई है। उद्योग ने यह सुनिश्चित करने के लिए कि बढ़ती हुई प्रति इकाई लागत से उसे और अधिक क्षति न पहुंचे, उत्पादन और क्षमता उपयोग को उच्च स्तर पर बनाए रखने के लिए सचेतन प्रयास किए थे। उत्पादन में वृद्धि, मांग में वृद्धि के कारण हुई थी।

## (vi) बिक्री मात्रा और मूल्य:

वर्ष 2000-01 की तुलना में याचिकाकर्ता द्वारा की गई बिक्री में जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई। बिक्री में वृद्धि, मांग में वृद्धि के कारण हुई। जांच अवधि के दौरान जहां बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई है वहीं प्रति इकाई बिक्री प्राप्ति में अत्यधिक गिरावट आई है। घरेलू उद्योग संबद्ध देशों से आयातों से कीमतों में दबाव के कारण उचित कीमत अथवा आय की उचित दर प्राप्त करने में असमर्थ रहा है, जैसाकि निम्न तालिका से देखा जा सकता है:

| वर्ष                                   | बिक्री मात्रा<br>(वर्ग मी.) | बिक्री मूल्य<br>(रुपए/लाख) | इकाई कीमत<br>(रुपए/1000 वर्ग मी.) |
|--|-----------------------------|----------------------------|-----------------------------------|
| 2000-01                                | 100                         | 100                        | 100                               |
| 2001-02                                | 108                         | 104                        | 97                                |
|  | 109                         | 91                         | 84                                |
| जनवरी 03 -<br>दिसंबर 03<br>(जांच अवधि) | 147                         | 130                        | 89                                |

## (vii) लाभ:

इंडोनेशिया और थाईलैंड से संबद्ध वस्तु के पाटन का घरेलू उद्योग द्वारा निवल बिक्री प्राप्ति पर अत्यधिक प्रभाव पड़ा था। वर्ष 2000-01 और 2001-02 की तुलना में जांच अवधि के दौरान निवल बिक्री प्राप्ति में गिरावट आई थी। घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से अत्यधिक कम कीमत के आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी पड़ी थी। जांच अवधि के दौरान लाभ में \*\*\* रूपए प्रति वर्ग मीटर से \*\*\* रूपए प्रति वर्ग मीटर की गिरावट आई थी। अत्यधिक लागत कटौती के कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदता बनी रही। यदि घरेलू उद्योग को आयातों की निम्न और पाटित कीमतों की बराबरी करने के लिए बाध्य होना पड़ा तो उसके लिए शीघ्र ही खतरे की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। अथक प्रयासों के बावजूद उद्योग, पाटित आयातों के कारण अपेक्षित लाभ प्राप्त नहीं कर पाया है।

## (viii) उत्पादकता:

प्रति कर्मचारी उत्पादकता में सुधार हुआ है। इससे यह संकेत मिलता है कि उत्पादकता में गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति का एक कारण नहीं है।

## (ix) रोजगार:

वर्ष 2001-02 की तुलना में जांच अवधि के दौरान कर्मचारियों की संख्या में कमी होने के कारण रोजगार स्थिति पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। जांच अवधि के दौरान संवैधानिक अभिलाभ के अलावा अन्य सभी अभिलाभों में पर्याप्त कटौती की गई है। कीमतों पर दबाव के कारण कंपनी को अपने कार्य बल में कमी करनी पड़ी और जींद संयंत्र के कुछ कामगारों को चेन्नई संयंत्र में स्थानांतरित करके पुनः संघटित भी करना पड़ा। इसके परिणामस्वरूप मार्च 2002 से अगस्त 2002 तक जींद संयंत्र में हड़ताल रही। अतः संबद्ध देशों से पाटन के परिणामस्वरूप न सिर्फ घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट, निम्न निवल बिक्री प्राप्ति, लाभप्रदता और रोजगार में गिरावट आई है बल्कि इससे कंपनी की कार्यक्षमता और सुचारु कामकाज पर भी प्रभाव पड़ा है।

(x) **कीमत कटौती:**

पाटित आयातों का पहुंच मूल्य, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम रहा है जिसके परिणामस्वरूप कीमत कटौती हुई है।

(xi) **कीमत हास:**

संबद्ध देशों से पाटित आयातों का पहुंच मूल्य उस कीमत से बहुत कम है जितना घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तु की बिक्री से प्राप्त करना चाहिए था। लागत में कटौती और प्रचालन को सुव्यवस्थित करने के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद उद्योग अपने उत्पाद के लिए उचित कीमत प्राप्त करने के स्थिति में नहीं है।

(xii) **निवेश पर आय (लगाई गई पूंजी):**

ब्याज पूर्व लगाई गई पूंजी पर आय अत्यधिक कम है जिसे इस उद्योग के लिए पर्याप्त नहीं माना जा सकता। घरेलू उद्योग ने पूर्व में लाभ अर्जित किया है और ब्याज पूर्व लगाई गई पूंजी पर आय वर्ष 1997-98 में \*\*\*% और वर्ष 1998-99 में \*\*\*% तक रही थी, जो उद्योग के लिए सामान्य है। घरेलू उद्योग प्रमुखतः अत्यधिक लागत कटौती के कारण लाभप्रद रह पाया है एवं आगे लागत में और अधिक कटौती की गुंजाइश नहीं है। लाभ प्राप्त न होना अथवा उसमें गिरावट, क्षति का स्पष्ट संकेत है। चूंकि घरेलू उद्योग को भारी पाटन के कारण अपनी कीमतों में लगातार कटौती करने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है।

(xiii) **पाटन मार्जिन की मात्रा:**

घरेलू उद्योग द्वारा लगाए गए अनुमानों के अनुसार संबद्ध देशों से पाटन के मार्जिन काफी उच्च हैं।

(xiv) **नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव:**

कंपनी की नकद प्रवाह की स्थिति में सुधार आया है जो केवल अत्यधिक लागत कटौती के कारण हुआ है।

(xv) वृद्धि:

बाजार मांग में वृद्धि के कारण, घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में वृद्धि प्रदर्शित हो रही है। तथापि उद्योग पाटित आयातों के रहते बिक्री मात्रा में वृद्धि को कायम नहीं रख पायेगा। बिक्री में वृद्धि, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कमी के कारण संभव हुई थी।

(xvi) क्षति का खतरा:

पाटित आयातों द्वारा हो रही वास्तविक क्षति के अतिरिक्त घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का खतरा भी आसन्न है। पाटित आयातों में वृद्धि की उल्लेखनीय दर, निर्यातकों की पर्याप्ततः मुक्त रूप से प्रयोज्य क्षमताओं, अन्य देशों द्वारा थाईलैंड और इंडोनेशिया से निर्यातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के साक्ष्य, पाटित कीमतों पर आनेवाले आयातों के घरेलू कीमतों पर पड़ने वाले ह्रासकारी अथवा अवमूल्यनकारी प्रभाव के संबंध में घरेलू उद्योग ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II के पैरा (vii) के अनुसार सूचना उपलब्ध कराई है।

19. मै0 सियाम जिप्सम इंडस्ट्रीज (साराबुरी) कं0 लि0 (एस जी आई एस बी) - निर्यातक और मै0 विकास ट्रेडिंग कंपनी - आयातक द्वारा दिए गए तर्क:

उपर्युक्त हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि इंडिया जिप्सम को कथित पाटन के परिणामस्वरूप क्षति नहीं हुई है। इसके विपरीत विचाराधीन अवधि के दौरान प्रत्येक मानदण्ड के संदर्भ में उनके निष्पादन में सुधार हुआ है।

- जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग 62% था। इंडिया जिप्सम ने उपलब्ध मांग की सीमा तक उत्पादन और बिक्री की और भारत में अपर्याप्त मांग होने के कारण वह और अधिक उत्पादन और बिक्री नहीं कर सकता था।
- वर्ष 2002-03 में प्रदर्शित वृद्धि के पश्चात आयातों में गिरावट आई है। वर्ष 2002-03 में आई गिरावट के पश्चात जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है।

- इंडिया जिप्सम के पास नई क्षमता जोड़ने के संबंध में योजनाएं हैं। कंपनी ऐसी क्षमता जोड़ती रही है जो देश में उत्पाद की मांग के सही अनुपात में नहीं है। देश में उत्पाद की वर्तमान मांग और कंपनी द्वारा संस्थापित क्षमता को देखते हुए यह स्पष्ट है कि कंपनी वर्ष 2009-10 तक ही वर्तमान क्षमता का पूर्णतः उपयोग कर पायेगी। वर्तमान में कंपनी, इष्टतम संयंत्र उपयोगिता की अपेक्षा नहीं कर सकती है। अतः वेशी क्षमता के कारण हुई किसी क्षति के लिए पाटित आयातों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।
- आई जी एल के उत्पादन में प्रभावी वृद्धि प्रदर्शित हो रही है और भविष्य में भी उत्पादन उच्च रहेगा। अतः उत्पादन में वास्तविक अथवा संभावित गिरावट के कारण किसी प्रकार की क्षति नहीं हो सकती है। बिक्री मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि प्रदर्शित हुई है। इस बात पर कोई विवाद नहीं है कि कंपनी को और अधिक बिक्री करने से रोका गया था।
- वर्ष 2001-02 से वर्ष 2002-03 के दौरान आईजीएल की बिक्री कीमत में गिरावट आई थी परंतु उसके पश्चात इसमें वृद्धि हुई है। उत्पादन लागत में भी काफी गिरावट होने के परिणामस्वरूप लाभ प्राप्त हुआ था।
- आई जी एल के लाभों में हुई वृद्धि, उत्पादन एवं बिक्री मात्रा में हुई वृद्धि से अधिक है।
- मात्रा एवं मूल्य दोनों ही संदर्भों में आईजीएल की भंडारसूचियों में गिरावट आई है।
- इंडिया जिप्सम ने स्वीकार किया है कि उत्पादकता में सुधार हुआ है और इसलिए यह क्षति का कारण नहीं हो सकता है।
- यद्यपि आई जी एल यह दावा करता है कि उसने निवेश पर आय में गिरावट का सामना किया है परंतु वास्तव में इसमें क्षति अवधि के दौरान सुधार हुआ है। कंपनी ने यह दर्शाया है कि जांच अवधि के दौरान उसने अधिक पूंजी लगाई है। लगाई गई पूंजी पर आय का परीक्षण करने के लिए लगाई गई पूंजी का सही मूल्यांकन किया जाना चाहिए।
- कथित कीमत कटौती के बावजूद घरेलू उद्योग बेहतर कीमतें और लाभप्रदता प्राप्त करने में सफल रहा है। अतः कीमत कटौती की मौजूदगी स्वतः यह साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। कीमत कटौती के लिए कीमत की तुलना परिवहन लागत को ध्यान में रखते हुए उपयोक्ता स्तर पर की जानी चाहिए।

- कंपनी की नकद प्रवाह की स्थिति में सुधार आया और इस आधार पर किसी प्रकार की क्षति का दावा नहीं किया जा सकता ।
- आईजीएल ने रोजगार में काफ़ी कटौती की है । कंपनी कम जनशक्ति के साथ उच्च मात्रा का उत्पादन करने में समर्थ है, इससे स्पष्ट रूप से यह संकेत मिलता है कि कंपनी में कर्मचारियों की संख्या आवश्यकता से अधिक थी ।
- यदि उत्पादन के अनुपात में वेतन में असंगत वृद्धि नहीं होती तो कंपनी द्वारा अर्जित लाभ और भी अधिक होता । इस प्रकार की क्षति के लिए कथित पाटन को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता ।
- इंडिया जिप्सम ने अपने निष्पादन से संबंधित सभी मानदंडों के संदर्भ में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है । कंपनी, निष्पादन में किसी प्रकार की अवनति का दावा नहीं कर सकती है ।
- जहां तक क्षति के खतरे के दावे का संबंध है, इस दावे को माना नहीं जा सकता क्योंकि आयातों में वृद्धि की दर बहुत अधिक नहीं है । निर्यातकों की मुक्त रूप से प्रयोज्य क्षमताओं के संबंध में, इन विदेशी उत्पादकों द्वारा किसी नई क्षमता का विकास नहीं किया जा रहा है । ऐसी कोई नई अथवा उल्लेखनीय बात नहीं हुई है जिसके कारण आयातों में वृद्धि की संभावना है । संबद्ध देशों के निर्यातकों पर अन्य देशों द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के संबंध में, इनमें से कुछ कार्यवाहियां पुरानी हो चुकी हैं । यह घरेलू उद्योग का पूर्वानुमान है कि अन्य देशों द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाने के बाद विदेशी उत्पादक, भारत में बाजार की तलाश करेंगे । घरेलू कीमतों पर आयातों का कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है ।

## 20. मै0 शपूरजी पलोनजी एंड कं0 लि0, मुंबई द्वारा दिए गए तर्क

- इंडिया जिप्सम भारत में जिप्सम बोर्ड का विनिर्माण करने वाली एकमात्र कंपनी है और उसका बाजार हिस्सा 95% है ।
- घरेलू उद्योग द्वारा बेची जा रही मात्रा की तुलना में अन्य देशों से आयातित मात्रा बहुत ही मामूली है ।
- आईजीएल द्वारा भारत में जिस कीमत पर जिप्सम बोर्ड की बिक्री की जाती है वह भारत में बेचे जा रहे आयातित बोर्ड की कीमत की तुलना में बहुत कम है । पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए आईजीएल द्वारा दायर की गई

याचिका का उद्देश्य एकाधिकार स्थापित करना है जिसका परिणाम उपभोक्ताओं के लिए कीमतों में वृद्धि के रूप में होगा ।

21. सार्वजनिक सुनवाई के पश्चात हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए विभिन्न तर्कों पर घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए प्रत्युत्तर

घरेलू उद्योग ने दावा किया कि लगाई गई पूंजी के परिकलन के लिए उसने सही आंकड़े दिए और निवेश पर आय का सही परिकलन किया । निर्यातकों/आयातक द्वारा दिए गए तर्कों पर उन्होंने विस्तृत प्रत्युत्तर प्रस्तुत किए। निर्यातक मै0 सियाम जिप्सम तथा मै0 विकास ट्रेडिंग कंपनी ने भी घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अभ्यावेदनों के संबंध में प्रत्युत्तर दायर किया । प्राधिकारी ने इन प्रकटन विवरणों के लिए आवश्यक तथ्यों का विश्लेषण करते समय इन तर्कों पर विचार किया है ।

22. प्रकटन के पश्चात् टिप्पणियाँ

प्रकटनों के उत्तर में घरेलू उद्योग ने तर्क दिया कि कानूनी स्थिति स्पष्ट है कि क्षति का निर्धारण तभी किया जा सकता यदि दो में से कोई एक प्रभाव अर्थात् मात्रात्मक प्रभाव का कीमत प्रभाव उपस्थित हो । इसके अतिरिक्त, करार के अनुच्छेद 3.2 के अनुसार इनकारकों में से किसी एक अथवा कई कारकों से निर्णयात्मक दिशा-निर्देश मिलना आवश्यक नहीं है । घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से को गंवाने के रूप में अत्यधिक मात्रात्मक प्रभाव के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है । क्षमता उपयोग में वृद्धि को मांग में वृद्धि और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट के संदर्भ में देखा जा सकता है । इसी प्रकार, बिक्री मात्रा में वृद्धि को भी मांग में वृद्धि और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट के तथ्यों के आलोक में देखा जाना चाहिए । प्राधिकारी द्वारा गैर-क्षतिकारक कीमत का निर्धारण सही नहीं है । गैर क्षतिकारक कीमत के गलत निर्धारण में भी प्राधिकारी ने अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री पाई है । घरेलू कीमत को प्रभावित करने वाले कारकों और कीमत ह्रास के संबंध में घरेलू उद्योग ने दोहराया है कि घरेलू उद्योग की लागत में काफी हद तक ब्याज हानि के कारण गिरावट आई है । पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग अपनी कीमतें घटाने पर विवश हुआ है । लाभप्रदता के संबंध में प्राधिकारी ब्याज-पूर्व लाभ के विश्लेषण पर विचार करेंगे । ब्याज के पश्चात् लाभों में वृद्धि को अलग



से नहीं देखा जा सकता है। जब तक पाटनरोधी शुल्क को लागू नहीं किया जाता, लाभप्रदता के वर्तमान निम्न स्तर को भी बनाए नहीं रखा जा सकता। निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा यह दावा किया गया है कि कार्यशील पूंजी एक महत्वपूर्ण घटक है और उसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। घरे उद्योग द्वारा यह दावा किया गया है कि जैसाकि उनके द्वारा उल्लेख किया गया है क्षति के कारकों के विश्लेषण से यह संकेत मिलेगा कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

### 23. क्षति का संचयी आकलन:

अनुबंध-II(iii) के अनुसार उन मामलों में जहाँ एक से अधिक देशों से किसी उत्पाद के आयातों के लिए एक साथ पाटनरोधी जांच चल रही हो, प्राधिकारी द्वारा केवल यह निर्धारण किए जाने पर कि (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध, में निर्धारित पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों का 3% है, और (ख) आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के आलेक में आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उचित है, उसके द्वारा ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन अपेक्षित होता है। प्राधिकारी ने पाया है कि प्रत्येक संबद्ध देश के संबंध में पाटन मार्जिन 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा भी 3% से अधिक है।

आयातित उत्पादों के बीच और आयातित उत्पादों तथा समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की परिस्थितियों के मूल्यांकन के मद्देनजर प्राधिकार के विचार यह हैं कि:

(i) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात समान टैरिफ वर्गीकरण के अंतर्गत किया गया है;

(ii) प्राधिकारी ने पाया है कि आयातित संबद्ध वस्तु घरेलू रूप से उत्पादित जिप्सम प्लास्टर बोर्ड की वाणिज्यिक प्रतिस्थापन है।

(iii) आयातकों द्वारा प्रस्तुत की गई समूचना से उचित रूप से संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों द्वारा किए गए निर्यात एक ही बाजार में प्रतिस्पर्धा करते हैं क्योंकि वे समान उत्पाद हैं।

(iv) अतः, प्राधिकारी आयातित उत्पादों के बीच और आयातित उत्पादों तथा समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की परिस्थितियों के आलोक में घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु पर संबद्ध वस्तु के प्रभाव के संचयी मूल्यांकन को उचित पाते हैं।

#### 24. प्राधिकारी द्वारा जांच:

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई दावा की गई क्षति के बारे में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए विभिन्न तर्कों पर विचार किया है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना का सत्यापन भी किया है। विभिन्न क्षति मापदण्डों के संबंध में सूचना की प्राधिकारी द्वारा निम्नानुसार जांच एवं विश्लेषण किया गया है:-

#### 25. आयातों की मात्रा:

प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस द्वारा प्रकाशित अधिकारिक आंकड़ों, गौण स्रोतों पर आधारित आवेदन में प्रस्तुत की गई सूचना, निर्यातकों तथा कुछ आयातों के उत्तरों द्वारा दर्शाए गए के अनुसार संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में सूचना पर ध्यान दिया है। जिप्सम प्लास्टर बोर्ड के लिए कोई विशिष्ट वर्गीकरण नहीं है। विभिन्न स्रोतों से उपलब्ध सूचना की जांच के पश्चात् प्राधिकारी ने गौण स्रोतों के अनुसार नीचे दिए गए आयात आंकड़ों के आधार पर आयातों की मात्रा के विश्लेषण को उचित पाया:-

| देश/आयात वर्ग<br>मी.        | 2000-2001 | 2001-2002 | 2002-2003 | जन.-दिस.2003<br>जांच अवधि |
|-----------------------------|-----------|-----------|-----------|---------------------------|
| इंडोनेशिया                  | 107609    | 97970     | 245995    | 204227                    |
| थाईलैंड                     | 32893     | 22898     | 412587    | 231561                    |
| संबद्ध देशों से<br>कुल आयात | 140502    | 120868    | 658582    | 435788                    |
| अन्य देश                    | 4686      | 8953      | 669       | 6824                      |
| कुल आयात                    | 145188    | 129821    | 659251    | 442612                    |

संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का कुल आयात वर्ष 2000-01 में 140502 वर्ग मी. से बढ़ कर जांच अवधि में 435788 वर्ग मी. हो गया। वर्ष 2000-01 की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि 210% थी। ये आयात कुल आयातों का लगभग 98.45% थे। प्राधिकारी ने नोट किया कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों में सापेक्ष रूप से वृद्धि हुई थी।

## 26. बाजार हिस्सा:

प्राधिकारी ने पाया है कि संबद्ध वस्तु की मांग में घरेलू उद्योग और संबद्ध देशों से आयातों का बाजार हिस्सा निम्नानुसार है:-

| देश/आयात वर्ग मी.                        | 2000-2001 | 2001-2002 | 2002-2003 | जांच अवधि |
|--|-----------|-----------|-----------|-----------|
| आयात-कुल                                 | 145188    | 129821    | 659251    | 442612    |
| घरेलू उद्योग की बिक्री                   | 4674000   | 5033791   | 5071958   | 6868345   |
| मांग                                     | 4819188   | 5163612   | 5731209   | 7310957   |
| संबद्ध देशों से आयात                     | 140502    | 120868    | 658582    | 435788    |
| अन्य देशों से आयात                       | 4686      | 8953      | 669       | 6824      |
| मांग में हिस्सा -संबद्ध देशों से आयात(%) | 2.91      | 2.34      | 11.49     | 5.96      |
| मांग में हिस्सा - घरेलू उद्योग (%)       | 96.98     | 97.49     | 88.5      | 93.95     |
| मांग में हिस्सा - अन्य देशों से आयात (%) | 0.10      | 0.17      | 0.01      | 0.09      |

प्राधिकारी ने पाया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों का हिस्सा वर्ष 2000-01 के दौरान 2.91% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 5.96% हो गया है। इस प्रकार, देश में उत्पाद की मांग की तुलना में संबद्ध देशों से पाटित आयातों में वृद्धि हुई है। कुल मांग में घरेलू उद्योग का हिस्सा वर्ष 2000-01 में 96.98% से घटकर जांच अवधि के दौरान 93.95% हो गया है।

## 27. उत्पादन एवं क्षमता उपयोग:

घरेलू उद्योग का उत्पादन एवं क्षमता उपयोग निम्नानुसार रहा है:-

|                                 | 2000-2001 | 2001-2002 | 2002-2003 | जांच अवधि |
|---------------------------------|-----------|-----------|-----------|-----------|
| क्षमता (वर्ग मी.)<br>(सूचीबद्ध) | 100       | 100       | 100       | 100       |
| उत्पादन(वर्ग मी.)<br>(सूचीबद्ध) | 100       | 104       | 111       | 141       |
| क्षमता उपयोग %                  | 44        | 45.58     | 48.83     | 62.16     |

प्राधिकारी ने पाया है कि पिछले वर्षों की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में सुधार हुआ है। क्षमता उपयोग वर्ष 2000-01 के दौरान 44% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 62.16% हो गया।

## 28. बिक्री मात्रा

घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा वर्ष 2000-01 के दौरान \*\*\* वर्ग मी. से बढ़कर जांच अवधि के दौरान \*\*\* वर्ग मी. हो गई। क्षमता अवधि के दौरान बिक्री निम्नानुसार थी:-

|                   | 2000-2001 | 2001-2002 | 2002-2003 | जांच अवधि |
|-------------------|-----------|-----------|-----------|-----------|
| बिक्री (वर्ग मी.) | ***       | ***       | ***       | ***       |
| सूचीबद्ध          | 100       | 108       | 109       | 147       |

## 29. माल सूची:

|                        | 2000-2001    | 2001-2002   | 2002-2003   | सूचीबद्ध<br>जांच अवधि |
|------------------------|--------------|-------------|-------------|-----------------------|
| वर्ग मी.<br>(सूचीबद्ध) | ***<br>(100) | ***<br>(65) | ***<br>(95) | ***<br>(88)           |
| बिक्री का %            | ***          | ***         | ***         | ***                   |

बिक्री के प्रतिशत के रूप में घरेलू उद्योग के अंतिम स्टॉक की भंडार सूची में जांच अवधि के दौरान वर्ष 2000-01 की तुलना में गिरावट आई। तथापि, यह पिछले वर्ष बढ़ी थी।

## 30. कीमत कटौती

प्राधिकारी यह पाते हैं कि पाटित आयातों के कारण कीमत कटौती निम्नानुसार रही है:-

|                     | इंडोनेशिया | थाईलैंड |
|---------------------|------------|---------|
| औसत एनएसआर          | ***        | ***     |
| पहुंच मूल्य         | ***        | ***     |
| कीमत कटौती          | ***        | ***     |
| प्रतिशत कीमत कटौती  | ***        | ***     |
| कीमत कटौती का दायरा | 25-35%     | 35-40%  |

प्राधिकारी ने कीमत कटौती विधि के बारे में कुछ हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों को ध्यान में लिया है तथा बेचे जा रहे आयातित बोर्डों की कीमतें घरेलू उत्पाद की तुलना में अधिक हैं। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के भारित औसत निवल बिक्री वसूली हेतु तुलना की समनुरूप विधि का पाटित आयातों के पहुंच मूल्य के साथ उपयोग किया है। विचार की गई बिक्री वसूली का मूल्य छूटों, कमीशनों

तथा हैंडलिंग/भाड़ा प्रभारों का निवल है । अतएव घरेलू कीमत की आयातित उत्पादों से तुलना समान स्तर पर है । प्राधिकारी यह पाते हैं कि पाटित आयातों के परिणामस्वरूप कीमत कटौती काफी अधिक रही है ।

### 31. कम कीमत पर बिक्री

प्राधिकारी पाटित आयातों के परिणामस्वरूप कम कीमत पर बिक्री को निम्नानुसार पाते हैं-

|                              | इंडोनेशिया | थाईलैंड |
|------------------------------|------------|---------|
| क्षतिरहित कीमत (एनआईप)       | ***        | ***     |
| पहुंच मूल्य                  | ***        | ***     |
| कम कीमत पर बिक्र             | ***        | ***     |
| कम कीमत पर बिक्री का प्रतिशत | ***        | ***     |
| कम कीमत पर बिक्री का दायरा   | 20-30%     | 30-40%  |

प्राधिकारी पाते हैं कि कम कीमत पर बिक्री का दायरा काफी अधिक रहा है क्योंकि संबद्ध देशों की संबद्ध वस्तुओं के आयातों के पहुंच मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमतों की तुलना में काफी भिन्न रहे हैं ।

### 32. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक:

प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटित आयातों के परिणामस्वरूप कीमत कटौती का स्तर काफी अधिक है । इसके अलावा कम कीमत पर बिक्री भी स्पष्ट है क्योंकि आयातों के पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमतों की तुलना में काफी भिन्न हैं । तथापि, घरेलू उद्योग की बिक्री वसूली घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षतिरहित कीमत की तुलना में अधिक है । घरेलू उद्योग ने अपनी उत्पादन की लागत को कम करने के लिए कदम उठाए हैं । घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत में कमी आ रही है । बिक्री वसूली में भी गिरावट आई है । पाटित आयातों के परिणामस्वरूप कीमत ह्रास के कोई स्पष्ट साक्ष्य नहीं मिले हैं। चूंकि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत में गिरावट

आ रही है। इसलिए कोई कीमत न्यूनीकरण नहीं हुआ है। बिक्री वसूली के विकास तथा घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत से संबंधित सूचना निम्नानुसार पाई गई है(सूचीबद्ध):

|  | 2000-2001 | 2001-2002   | 2002-2003   | जांच अवधि  |
|--|-----------|-------------|-------------|------------|
| प्रति 1000 वर्ग मी. पर उत्पादन की लागत | *** (100) | *** (94.57) | *** (92.84) | *** (86.8) |
| प्रति 1000 वर्ग मी. बिक्री कीमत        | *** (100) | *** (96.53) | *** (84.28) | *** (88.8) |

### 33. पाटन के मार्जिन का परिणाम

प्राधिकारी यह पाते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन के मार्जिन का परिमाण उन निर्यातकों जिन्होंने प्रत्युत्तर दिया है, के संबंध में 34% से 45% के बीच रहा है जिसे काफी अधिक माना गया है।

### 34. रोजगार:

| सूचीबद्ध  |           |             |             |
|-----------|-----------|-------------|-------------|
| 2000-2001 | 2001-2002 | 2002-2003   | जांच अवधि   |
| *** (100) | *** (90)  | *** (80.52) | *** (84.42) |

प्राधिकारी पाते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा लगाए गए कर्मचारियों की संख्या में कमी आई है। कर्मचारियों की संख्या में कमी का कारण कंपनी द्वारा लागत घटाने के उपायों को भी माना जा सकता है।

### 35. मजदूरी:

प्राधिकारी ने कर्मचारियों को मजदूरी का भुगतान निम्नानुसार पाया

|                             | 2000-2001    | 2001-2002      | 2002-2003       | सूचीबद्ध<br>जांच अवधि |
|-----------------------------|--------------|----------------|-----------------|-----------------------|
| प्रदत्त मजदूरी<br>(रु०/लाख) | *** (100)    | *** (85.43)    | *** (82)        | *** (119.42)          |
| प्रति कर्मचारी मजदूरी       | ***<br>(100) | ***<br>(94.88) | ***<br>(101.77) | ***<br>(141.64)       |

प्राधिकारी नोट करते हैं कि कर्मचारियों को मजदूरी/वेतन के भुगतान में वृद्धि में सामान्य प्रवृत्ति दिखाई दी है। कर्मचारियों की संख्या में कमी के साथ-साथ प्रति कर्मचारी मजदूरी में भी वृद्धि हुई है।

### 36. लाभप्रदता:

| वर्ष                            | निवल बिक्री<br>वसूली<br>(रु०/000 वर्ग<br>मी.) | उत्पादन की लागत<br>(रु०/000 वर्ग मी.) | प्रति 1000 वर्ग<br>मीटर लाभ/हानि<br>सूचीबद्ध |
|---------------------------------|---|---------------------------------------|--|
| सूचीबद्ध                        | 100   | 100                                   | 100  |
| 2001-02                         | ***   | ***                                   | ***  |
| सूचीबद्ध                        | 96.53   | 94.36                                 | 162.75                                       |
| 2002-03                         | ***   | ***                                   | (-)* **                                      |
| सूचीबद्ध                        | 84.28   | 92.84                                 | (-) 277.79                                   |
| जन.-दिस.<br>2003<br>(जांच अवधि) | ***   | ***                                   | ***  |



|          |       |       |        |
|----------|-------|-------|--------|
| सूचीबद्ध | 88.78 | 86.80 | 149.33 |
|----------|-------|-------|--------|

प्राधिकारी यह प्राते हैं कि घरेलू उद्योग की संबद्ध वस्तु की प्रति इकाई बिक्री पर लाभप्रदता में वर्ष 2000-01 की तुलना में जांच अवधि में सुधार प्रदर्शित हुआ है। यद्यपि वर्ष 2002-03 में कंपनी को संबद्ध वस्तुओं की बिक्री में घाटा उठाना पड़ा था। बिक्री वसूली में वर्ष 2000-01 तथा 2001-02 की तुलना में कमी आई। तथापि, उत्पादन की लागत में भी अत्यधिक गिरावट आई है।

### 37. निवेश पर आय:

|                 | 2000-2001 | 2001-2002 | 2002-2003  | जांच अवधि |
|-----------------|-----------|-----------|------------|-----------|
| लगाई गई पूंजी   | ***       | ***       | ***        | ***       |
| ब्याज पूर्व लाभ | ***       | ***       | (***)      | ***       |
| आरओसी(%)        | 100       | 131.95    | (-) 153.56 | 123.92    |

निर्यातक तथा आयातक द्वारा यह तर्क प्रस्तुत किया गया है कि कंपनी ने जांच अवधि के दौरान उच्चतर पूंजी का लगा होना दर्शाया है तथा इसी कारण आर ओ सी ई जांच अवधि के दौरान गिरावट की प्रवृत्ति दर्शा रहा है। प्राधिकारी ने नोट किया है कि वर्ष 2003-04 के लिए कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में तुलन-पत्र की अनुसूची 7 के अंतर्गत उच्चतर नकद तथा बैंक अधिशेष दर्शाए गए हैं। यह लगाई गई पूंजी पर निम्न आय का एक कारण हो सकता है जैसाकि कंपनी द्वारा दावा किया गया है। इस विश्लेषण के लिए प्राधिकारी ने कार्यशहील पूंजी से नियम जमाओं को कम कर दिया है क्योंकि यह संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन से संबंधित नहीं है। यह पाया गया है कि जांच अवधि के दौरान आर ओ सी ई में सुधार आया है। आर ओ सी ई ब्याज पूर्व है।

### 38. नकद प्रवाह पर वास्तविक तथा संभावित नकारात्मक प्रभाव:

संबद्ध वस्तुओं के संबंध में नकद लाभ के आंकड़े निम्नानुसार पाए गए हैं (सूचीबद्ध)-

| रु०/लाख   |           |           |           |
|-----------|-----------|-----------|-----------|
| 2000-2001 | 2001-2002 | 2002-2003 | जांच अवधि |
| ***       | ***       | ***       | ***       |
| 100       | 126       | 12        | 98        |

प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी के नकद लाभ में जांच अवधि के दौरान मामूली गिरावट आई थी ।

### 39. वृद्धि:

|                             | 2000-2001 | 2001-2002 | 2002-2003 | जांच अवधि |
|-----------------------------|-----------|-----------|-----------|-----------|
| मांग में वृद्धि(%)          | -         | 7.15      | 10.99     | 41.59     |
| बिक्री मात्रा में वृद्धि(%) | -         | 7.70      | 0.76      | 35.41     |

### 40. उत्पादकता:

उत्पादकता निम्नानुसार रही है:

|                        | 2000-2001 | 2001-2002 | 2002-2003 | जांच अवधि |
|------------------------|-----------|-----------|-----------|-----------|
| प्रति कर्मचारी उत्पादन | ***       | ***       | ***       | ***       |
| सूचीबद्ध               | 100       | 115       | 137.73    | 167.55    |

प्राधिकारी ने पाया है कि जांच अवधि के दौरान उत्पादकता में अत्यधिक सुधार हुआ है । यह मुख्य रूप से जांच अवधि के दौरान उत्पादन में वृद्धि होने और कर्मचारियों की संख्या में कमी आने के कारण है ।

## 41. क्षति रहित कीमत (एनआईपी)

घरेलू उद्योग ने एनआईपी की गणना के संबंध में कतिपय मुद्दे उठाये थे। उन्हें प्राधिकारी के कार्यालय के समक्ष इन मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर दिया गया था। उन्हें यह स्पष्ट किया गया था कि प्राधिकारी द्वारा एनआईपी के निर्धारण में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित पर विचार किया गया:

- (क) कार्यशील पूंजी के निर्धारण के समय स्थायी जमाओं को बाहर रखा गया है क्योंकि ये संबंधित उत्पाद और उत्पादन प्रक्रिया से संबंधित प्रतीत नहीं होते हैं। कंपनी ने संबद्ध वस्तु के संबंध में इन जमाओं से प्राप्त ब्याज आय का भी दावा नहीं किया था।
- (ख) मानक क्षमता निर्माण डीजीएडी की संगत प्रक्रिया पर आधारित है।
- (ग) जांच अवधि के दौरान स्टॉक को बट्टे खाते में डालने की अनुमति नहीं है क्योंकि जांच अवधि के दौरान यह एक असामान्य स्थिति है और पूर्ववत अवधि से संबंधित है।

## 42. क्षति संबंधी निष्कर्ष:

प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान पाटित आयतों की मात्रा में समग्र रूप से और भारत में इस उत्पाद की मांग के संबंध में बढ़ोतरी हुई है। पाटित आयतों का हिस्सा 2.91% से बढ़कर 5.98% हो गया है। कुल मांग में घरेलू उद्योग का हिस्सा 96.98% से घट कर 93.95% हो गया है। उत्पादन क्षमता उपयोग, बिक्री जैसे कारकों में सुधार प्रदर्शित हुआ है और ये क्षति के सूचक नहीं हैं। तथापि चूंकि उत्पाद की मांग बढ़ रही है, इसलिए घरेलू उद्योग ने इन कारकों में सुधार प्रदर्शित किया है। तैयार माल की पहल सूची में भी गिरावट आयी है और यह क्षति नहीं दर्शाती है।

पाटन मार्जिन की मात्रा उन निर्यातकों जिन्होंने आंशिक रूप से सहयोग किया है, के आंकड़ों के आधार पर 34% से 45% के दायरे में घाटी गई है। पाटन मार्जिन काफी अधिक है। पाटित आयतों के परिणामस्वरूप कीमत कटौती भी हुई है। तथापि घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली समान घरेलू उत्पाद की

क्षतिरहित कीमत से अधिक है। यद्यपि संभव है कि घरेलू उद्योग के लिए बिक्री कीमतों को कम करना अपेक्षित रहा हो, फिर भी वे क्षतिरहित कीमत से अधिक बिक्री कीमत वसूल करने में सक्षम रहे हैं। मजदूरी और रोजगार जैसे कारकों से कोई निर्णायक निर्देशन प्राप्त नहीं होता है। उद्योग की संबद्ध वस्तुओं की प्रति इकाई बिक्री लाभप्रदता में सुधार प्रदर्शित हुआ है। यह मुख्य रूप से कंपनी द्वारा कम वित्त लागत के कारण कीमत में की गई कमी के कारण हुआ है। लगाई गई पूंजी पर आय में सुधार प्रदर्शित हुआ है। नकद लाभ में वर्ष 2000-01 की तुलना में जांच अवधि के दौरान मामूली गिरावट आयी है। कंपनी की उत्पादकता में अत्यधिक सुधार हुआ है।

समग्र आकलन करने पर प्राधिकारी ने पाया कि उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री और तैयार माल की मालसूची जैसे कारकों में घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में सुधार हुआ है। उद्योग की उत्पादकता में भी सुधार हुआ है। लगाई गई पूंजी पर आय में भी निवल बिक्री वसूली में गिरावट के बावजूद भी सुधार हुआ है। उद्योग जांच अवधि के लिए निर्धारित क्षतिरहित कीमत से अधिक निवल बिक्री वसूली प्राप्त करने में सक्षम रहा था। यद्यपि संबद्ध देशों से पाटन मार्जिन और कीमत कटौती को काफी अधिक पाया गया था, फिर भी उद्योग के समग्र निष्पादन में सुधार प्रदर्शित हुआ था। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में थोड़ी सी गिरावट हुई थी। तथापि, यह विभिन्न मानदंडों के संबंध में उनके कार्य-निष्पादन में समग्र गिरावट में प्रदर्शित नहीं हुई थी। पाटित आयातों से घरेलू उद्योग पर कोई ऐसा प्रभाव नहीं पड़ा जिसे वास्तविक क्षति कहा जा सकता हो। अतः प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं हुई।

#### 43. वास्तविक क्षति का खतरा:

नियमावली के पैरा (vii) के अनुसार वास्तविक क्षति संबंधी किसी खतरे का निर्धारण तथ्यों पर आधारित होगा न कि केवल अभिकथन, अनुमान अथवा दूरस्थ संभावना पर। उन परिस्थितियों में परिवर्तन को जिनसे एक ऐसी स्थिति पैदा होगी जिससे पाटन से क्षति होगी, अवश्य ही स्पष्ट रूप से पूर्व अनुमान लगाना चाहिए और इसे सन्निकट होना चाहिए। वास्तविक क्षति के किसी खतरे की मौजूदगी संबंधी निर्धारण करने में प्राधिकारी अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित कारकों पर विचार करेंगे:

- (क) भारत में पाटित आयातों की अत्यधिक वृद्धि दर जिससे वास्तविक रूप से बड़े हुए आयात की संभावना का संकेत मिलता है;
- (ख) किन्हीं अतिरिक्त निर्यातों को अवशोषित करने के लिए अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए निर्यातक की पर्याप्त मुक्त रूप से निपटान योग्य अथवा सन्निकट पर्याप्त वृद्धि जिससे भारतीय बाजारों में पाटित आयातों की पर्याप्त वृद्धि की संभावना का संकेत मिलता है;
- (ग) क्या आयात ऐसी कीमतों पर प्रवेश कर रहे हैं जिनका घरेलू कीमतों पर अत्यधिक ह्रासकारी या दमनकारी प्रभाव पड़ेगा और जिनसे और अधिक आयातों की मांग में वृद्धि की संभावना होगी; और
- (घ) जांच की जा रही वस्तु की माल सूचियां

44. वास्तविक क्षति के खतरे की मौजूदगी की जांच करने के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त कारकों का विश्लेषण निम्नानुसार है:

- क. **पाटित आयातों में वृद्धि की अत्यधिक दर:** संबद्ध देशों से आयातों में जांच अवधि के दौरान पूर्ववर्ती अवधि की तुलना में अत्यधिक वृद्धि प्रदर्शित हुई है। आयात अप्रैल 2000-मार्च 2001 में 14052 वर्ग मी. से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 435788 हो गए हैं। जांच अवधि के दौरान आयातों में वृद्धि वर्ष अप्रैल-2000-मार्च 2001 के आयातों के 210% से अधिक है।
- ख. **निर्यातकों की मुक्त रूप से निपटान योग्य पर्याप्त क्षमताएं-** जांच के दौरान उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा यह दावा किया गया है कि थाईलैंड और इंडोनेशिया में क्षमताएं क्रमशः 114 मिलियन वर्ग मी. और 47 मिलियन वर्ग मी. हैं। इसकी तुलना में इन दोनों देशों में मांग अथवा प्रत्यक्ष खपत केवल 43 मिलियन वर्ग मी. और 18 मिलियन वर्ग मी. है जैसाकि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है:

|               | क्षमता (मिलियन एसक्यूएम में) | घरेलू बिक्री अधिशेष (मिलियन एसक्यूएम में) | अधिशेष क्षमता (मिलियन एसक्यूएम में) |
|---------------|------------------------------|---|-------------------------------------|
| थाईलैंड       |                              |   |                                     |
| क) थाई जिप्सम | 34                           | 20  | 14                                  |
| ख) लाफार्ज    | 80                           | 23  | 57                                  |
| योग थाईलैंड   | 114                          | 43  | 71                                  |
| इंडोनेशिया    | 47                           | 18  | 29                                  |
| कुल योग       | 161                          | 61  | 100                                 |

चूंकि मै9 थाई जिप्सम प्रोडक्ट्स एक संबद्ध कंपनी है, अन्य उत्पादक लाफार्ज ग्रुप के मै0 सियाम जिप्सम की क्षमता उपयुक्त दावे में दर्शायी गई क्षमता से कम है, हालांकि संबंधित निर्यातक ने अपने प्रत्युत्तरों में उपर्युक्त आंकड़ों के संबंध में विवाद नहीं किया है। तथापि थाई निर्यातक मै0 सियाम जिप्सम लि0 के उत्तर से यह स्पष्ट है कि 50% से कम घरेलू बाजार में बेचा जाता है और शेष को अन्य देशों और भारत को निर्यात कर दिया जाता है। यह बात प्राधिकारी के ध्यान में भी लायी गई है कि थाईलैंड से संबद्ध वस्तुओं के निर्यातों पर अन्य देशों अर्थात् मलेशिया और दक्षिण अफ्रीका द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाया गया है।

- ग. **पाटित आयातों का प्रभाव:** जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों को पाटित कीमतों पर पाया गया था। तथापि, संबद्ध वस्तुओं की घरेलू कीमतों की मन्दी के प्रभाव के संबंध में कोई स्पष्ट संकेत नहीं था।
- घ. जहां तक विदेशी उत्पादकों/निर्यातकों के साथ संबद्ध वस्तुओं की मालसूची का संबंध है प्राधिकारी को विचार करने के लिए कोई स्पष्ट सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है।

इन प्रकटनों के उत्तर में घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग को क्षति के खतरे के संबंध में सकारात्मक सूचना है। यह भी तर्क दिया गया है कि यह एक स्थापित कानून है कि क्षति के खतरे के किसी सकारात्मक निर्धारण के लिए यह आवश्यक नहीं है कि प्रत्येक कारखाना सकारात्मक क्षति प्रदर्शित करे खासकर तब जबकि वास्तविक क्षति का भी स्पष्ट संकेत हो।

प्राधिकारी ने वास्तविक क्षति के खतरे के संबंध में घरेलू उद्योग के तर्कों की जांच की है। प्राधिकारी ने वास्तविक क्षति के संबंध में सकारात्मक निर्धारण नहीं किया है। प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से पाटित आयातों में वृद्धि पर विचार किया है। इनसे घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं हुई है। जैसाकि नियमों के अंतर्गत प्रावधान है, वास्तविक क्षति के खतरे संबंधी कोई निर्धारण तथ्यों पर आधारित होगा न कि केवल अभिकथन अनुमान या दूरस्थ संभावना पर। प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालने के प्रति आश्वस्त नहीं हैं कि क्षतरा संबद्ध देशों में धारित उपलब्ध क्षमता से है जिसे केवल भारत में लक्षित किया जाएगा। प्राधिकारी को घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति के खतरे का दावा सही प्रतीत नहीं होता।

#### 45. कारणात्मक संबंध

घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है और वास्तविक क्षति का खतरा है। उन्होंने पाटित आयातों और उनके द्वारा उठाई जा रही क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के दावे के संबंध में तर्क दिए हैं। निर्यातक मै0 सियाम और आयातक मै0 विकास ट्रेडिंग ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग करार के अनुच्छेद 3.5 के अनुसार कारणात्मक संबंध दर्शाने वाले मापदंडों/साक्ष्यों को प्रस्तुत करने में विफल रहा है।

वास्तविक क्षति संबंधी प्राधिकारी के नकारात्मक निर्धारण और वास्तविक क्षति के खतरे के मद्देनजर प्राधिकारी कारणात्मक संबंध पर अपने जांच परिणामों को रिकॉर्ड करने को आवश्यक नहीं समझते हैं।

च. निष्कर्ष:

46. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि:

(i) संबद्ध देशों से भारत को जिप्सम प्लास्टर बोर्ड का सामान्य मूल्य से कम पर निर्यात किया गया है ।

(ii) तथापि, घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं हुई है । इसके अलावा संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों से वास्तविक क्षति का कोई खतरा नहीं है ।

47. इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी ।

क्रिस्टी एल. फेर्नांडेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी



**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 27th June, 2005

**FINAL FINDINGS**

**Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of Gypsum Plaster Board originating in or exported from Indonesia and Thailand – Final Findings.**

**No. 14/29/2003-DGAD** – Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof.

**A. PROCEDURE:**

2. The procedure described below has been followed with regard to the investigations:-

- i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written application from M/s India Gypsum Ltd. alleging dumping of Gypsum Plaster Board (hereinafter referred to as subject goods) originating in and exported from Indonesia and Thailand (hereinafter referred to as subject countries);
- ii) Preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were rectified by the applicants;
- iii) The Authority notified the Embassies of subject countries in India about the receipt of dumping application made by the petitioner before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;
- iv) The Authority issued a Public Notice dated 28 June 2004 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti dumping proceedings concerning imports of Gypsum Plaster Board from subject countries generally covered under heading/subheading 6809.11 of Schedule I of the Customs Tariff Act;

- v) The Authority forwarded copy of the said public notice to the known exporters, importers and to the complainant and gave them an opportunity to make their views known in writing;
- vi) According to sub-rule (3) of Rule 6 supra, the Authority provided a copy of the application to the following known exporters and Embassies of subject countries in India;
  - 1. Siam Cement Trading  
1 Siam Cement Road,  
Bangsue, Bangkok –10800  
Thailand
  - 2. Thai Gypsum Products Pcl  
Gypsum Metropolitan Tower,  
539/2 Si Ayutthaya Road,  
Ratchathewi, Bangkok -10400,  
Thailand
  - 3. Petrojaya Boral Plasterboard, PT  
J1, Prof. Dr. Moch Yamin Lingkungan  
Industri Kecil (LIK) Desa Roomo,  
Kecamatan Manyar,  
Gresik –61151, Indonesia.
  - 4. PT Knauf Indonesia (TGSI)  
Harmoni Plaza Block,  
B-22-24, Jl, Suryopranoto No.2,  
Jakarta -10160, Indonesia.
  - 5. PT Siamindo Gypsum Industry  
JL. Inspeksi, Kalimalang km. 2,  
Besaganda Mekar,  
Citi Tung Bekasi, Indonesia.
  - 6. PT Petrojaya Boral Plasterboard,  
Graha Mobisel 4<sup>th</sup> fl,  
Mampang Prapatan Raya 139  
Jakarta 17790,  
INDONESIA
  - 7. M/s SCT Co. Ltd.  
1 Siam Cement Road, Bangsue,  
Bangkok, 10800,

G.P.O. Box 1557,  
Thailand

8. M/s The Siam Gypsum Industry (Saraburi) Co. Ltd.  
1 Siam Cement Road, Bangsue,  
Bangkok, 10800  
Thailand

- vii) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) and Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods;
- viii) The Embassies of the subject countries were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to them;
- ix) A questionnaire was sent to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4);

M/s Unidus Associates  
1/101-B, WHS, Kirti Nagar,  
New Delhi-110015.

M/s Shapoorji Pallonji & Company Ltd.  
New India Centre, 10th Floor  
Opp. Oval Maidan,  
17, Cooperage Road,  
Cooperage, Mumbai - 400 001.

M/s Aakar Associates  
Nehra Timber Market No.4,  
Sattana Naicken Street,  
Chennai-600 012.

M/s Vikas Trading Co.  
No. 99 Surya Complex, 2<sup>nd</sup> Floor,  
R. V. Road, Near Lalbagh West Gate,  
Basvanagudi,  
Bangalore-560 004.

Regent Plasterboards & Products Pvt.Ltd.  
303, Uma Towers,  
Sidhi Colony,  
Secundrabad - 500 003.

Metal Worth Industries Ltd.,  
703, Shivalaya Building,  
Ethiraj Salai, Egmore,  
Chennai - 600 105.

Ebeneze Trading House Pvt.Ltd.  
1020, Mettupalayam Road,  
R.S. Puram, Coimbatore - 641 002.

Sri Venkateswara Enterprises  
3-5-141/1, Eden Bagh, Ramkote,  
Hyderabad - 500 001.

M/s. Odd Johs  
6-3-350, 1ST Floor, Road No. 1,  
Banjara Hills,  
Hyderabad - 500 034.

DLF Universal Ltd.  
Shopping Mall Complex  
Arjun Marg, DLF Qutub Enclave,  
Phase-I, Gurgaon, Haryana.

H.P. Invent  
3, Croater, ITPO,  
Bangalore - 560 066.

Infosys Technologies Ltd  
Electronics City,  
Bangalore - 560 229.

Honey Well Technologies Solution Lab  
151/1, Darai Sami Palia  
Bannarghatta Road,  
Bangalore - 560 076.

Sykes Enterprises (I) P. Ltd  
23/5, Le Galleria,  
Airport Road,  
Bangalore - 560 008.

- x) The Authority provided an opportunity to the interested parties to present their views orally in a public hearing held on 28<sup>th</sup> March, 2005. All parties presenting views were requested to file written submissions of their views expressed. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any;
- xi) The Authority made available to all interested parties the public file containing non-confidential version of evidence submitted by various interested parties for inspection, upon request as per Rule 6(7);
- xii) Arguments made by the interested parties after initiation of the investigation, subsequent to the public hearing and in response to the disclosure statement have been dealt with in these findings;
- xiii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties on 7<sup>th</sup> June 2005 vide a disclosure statement and comments received on the same have also been duly considered in these findings;
- xiv) Cost investigations including spot verification (as deemed necessary) of the domestic industry were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the domestic industry;
- xv) \*\*\* in this notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;
- xvi) The investigation covered the period from 1<sup>st</sup> January 2003 – 31<sup>st</sup> December, 2003. The injury analysis covered the three preceding years 2000-01, 2001-02 and 2002-03 and the POI.
- xvii) Copies of the Initiation Notice was also sent to FICCI, CII, ASSOCHAM etc. for wider circulation.

**B. VIEWS OF PETITIONERS, EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES AND EXAMINATION BY AUTHORITY.**

3. Responses were received from the following:

**Exporters:**

M/s PT. Petrojaya Boral Plasterboard, Indonesia.

M/s The Siam Gypsum Industry (Saraburi) Co. Ltd. & M/s SCT Co. Ltd. Thailand.

**Importers:**

M/s Shapoorji Pallonji & Co. Ltd. Mumbai.

M/s Vikash Trading Company, Bangalore.

4. The views expressed by various interested parties have been discussed in the disclosure statement. The views which have not been discussed earlier in the disclosure statement and those now raised in response to the disclosure statement are discussed in the relevant paragraphs herein below to the extent these are relevant as per rules and have a bearing upon the case. The arguments raised by the interested parties have been examined, considered and, wherever appropriate, dealt in the relevant paragraphs herein below.

**5. Arguments raised by interested parties on issues other than dumping and injury:**

**(i) Confidentiality of information:**

It has been argued by the exporter M/s Siam Gypsum Industry (Saraburi) Co Ltd (SGISB) and importer M/s Vikash Trading Company that the domestic industry has resorted to excessive confidentiality. Further, entire information in the petition is either not disclosed or indexed regardless of whether or not the information is publicly available. The Authority has examined these arguments. The domestic industry had provided non-confidential version of application which, *inter alia*, contain information regarding imports from subject countries, other countries, interest rates in Indonesia and Thailand, ocean freight rates, IBIS import data, DGCI&S import data, annual reports of India Gypsum Ltd. (IGL). The application contained indexed information about installed capacity, production, captive consumption, sales, opening and closing stock, cost of sales, profits/loss, capital employed, employment and demand. Actual capacity utilization percentage and share in market share (%) was also given in the application. The Authority also noted that the exporter/importer was made available the annual reports of IGL, based on which the exporter/importer made detailed arguments on various injury parameters. The Authority found that the domestic industry had provided sufficient information relating to injury through their annual reports and the non-confidential application. The arguments of exporter, SGISB and of Vikas Trading Co. regarding non-supply of adequate non-confidential information of domestic industry were not found sustainable.

The domestic industry also made arguments that response furnished by exporters PT Petrojaya Boral Plaster Board (PJPB) and SCT/SGISB, Thailand were grossly deficient and did not provide sufficient non-confidential information. The Authority had written to both the exporters to show good cause for claiming confidentiality of information. While M/s SCT/M/s SGISB replied stating that the information has been claimed confidential which is confidential in nature and its disclosures would have significant adverse impact on Siam Gypsum and its customers. As regards indexed and summarized information, they sought further guidelines from the authorities. The NCV of SGISB contained information in the Section relating to the information about the company, its shareholders, location of factory offices etc., sales, channel of distribution, accounting systems and

policies, production process etc. The information relating to cost of production, actual sales and adjustments had been claimed confidential and the Authority is of the view that this information may be treated as confidential. They had also provided the annual reports of the company. The Authority is of the view that the exporter had provided non-confidential information to other interested parties to offer their comments.

As regards PJPB, their response was deficient and the company did not respond to the letter sent by the authority. The NCV of the company contained information in the section relating to the information about the company, its shareholders, location of factory offices etc., sales, channel of distribution, accounting systems and policies, production process etc. The information relating to cost of production, actual sales and adjustments had been claimed confidential, which the Authority considers as confidential. The Authority is of the view that the exporter provided non-confidential information to other interested parties to offer their comments. However, the company did not make full co-operation to Authority by giving adequate response to the communication sent to them.

In response to the Disclosures, it has been argued by the domestic industry that the Authority may consider the exporters who have not supplied the complete details, as non-cooperative. The Authority considers that the information furnished by the exporters to the extent it can be used in the investigation without undue difficulty can be used by the Authority in accordance with para 3 of Annex II of the Anti Dumping Agreement. The Authority has therefore, used the information submitted by the exporters to the extent it can be used in the investigation.

#### **(ii) Back to back investigation**

SGISB and Vikas Trading Co. argued that present investigation were back to back when previous investigation on the same product was terminated by the authority on 2.9.2003. The domestic industry has opposed these arguments stating that the earlier investigations were terminated as the domestic industry has withdrawn the application on their own initiative. The Authority examined the arguments and found that these were not relevant to the present investigation.

#### **(iii) Violation of Article 5.2, 5.3, 6.1.3 and 6.5:**

SGISB and Vikas Trading Co. argued that present investigations are in violation of Article 5.2, 5.3, 6.1.3 and 6.5. However, they did not elaborate how the investigation violated the above articles of the agreement. The Authority noted that these interested parties had merely made statements regarding the alleged violation of these articles. However, the Authority had examined the adequacy and accuracy of the information before initiation of an investigation. All

the known exporters and the Governments of subject countries had been provided with the full text of the written application in accordance with Article 6.1.3. The arguments as regards confidentiality of information has been dealt with separately. The Authority, therefore, did not find any merit in the arguments advanced by these interested parties.

**(iv) Contradictory claims on normal value:**

SGISB and Vikas Trading Co have also argued that the applicant made contradictory claims on normal value in the application. Opposing this argument, the domestic industry has claimed that all the mandatory requirements as per Rule 5 have been complied with. Further, they have provided information on normal value in Thailand as regards the domestic price of one of the manufacturers. However, for the reasons of maintaining consistency, they had given estimates of constructed normal value for both the countries. The Authority has examined these arguments and has found that IGL, the petitioner had given constructed normal value estimate for both the countries and there was no contradictory claim made by them in the application as regards normal value.

**C. Product under Consideration, Like Article and Domestic Industry:**

**6. Product under Consideration :**

The product under consideration is Gypsum Plaster Board of all types and sizes. Gypsum Plaster Board is generally manufactured and supplied in different dimensions and sizes having thickness 6-16 mm, width 600-1250 mm and length 1800-3200 mm. Gypsum Plaster Board is mainly used as partitions and false ceilings for interiors of buildings. Besides providing décor it is a fireproof product. The product is classified under sub-heading 6809.11 of Customs Tariff Act. However, the product has also been imported under customs sub headings 6809 1900, 6809 9000 and 6811 9000 of the Customs Tariff Act. These Classifications are, however, indicative only and are in no way binding on the scope of the present investigation. There are no arguments as regards the product under consideration. The Authority holds that the scope of the product under consideration is Gypsum Plaster Board of all types and sizes as described in the initiation notification.

**7. Like Article :**

The petitioner has claimed that there is no difference between the product manufactured by them and the imported product. There are no arguments to oppose the claim. The authority found that Gypsum Plaster Board produced and sold by domestic producer M/s India Gypsum Ltd. (IGL) is sold in the same market to the contractors/ distributors who are also importing the subject goods from subject countries. The product specification of the imported product and the



domestically produced Gypsum Boards are the same. The Authority found the domestically produced Gypsum Boards as commercial substitute of the imported product. These were comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, functions and uses, distribution and marketing and tariff classification. The Authority, therefore, holds the product manufactured by the domestic industry as like article to the subject goods being imported from subject countries.

#### **8. Domestic Industry :**

M/s India Gypsum Ltd. Mumbai having plants at Jind (Haryana) and Tiruvallur (Tamil Nadu) is the sole domestic producer of the subject goods in India. They represent the hundred per cent domestic production of subject goods in India and therefore are to be treated as the domestic industry within the meaning of the Rules. They also had the requisite standing to file the application on behalf of the domestic industry.

#### **D. EXAMINATION OF CLAIMS REGARDING NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN.**

9. Copy of Initiation Notice was sent to the Embassies of subject countries, the exporters, importers and domestic industry. In response to the Disclosures, it has been argued by the domestic industry that both the exporters have supplied domestic sales information on a selected basis and they have failed to fulfill their obligation. They cannot be considered as partially co-operating with the investigation and the Authority may treat them as non-cooperative. The Authority considers that the information furnished by the exporters to the extent it can be used in the investigation without undue difficulty can be used by the Authority in accordance with para 3 of Annex II of the Anti Dumping Agreement. The Authority has therefore, used the information submitted by the exporters to the extent it can be used in the investigation.

#### **10. Normal value for Indonesia-M/s PT Petrojaya Boral Plasterboard:**

In response to the initiation notification M/s M/s PT. Petrojaya Boral Plasterboard, Indonesia furnished questionnaire response. They furnished information about domestic sales, exports to India, cost of production etc. However, the response was grossly deficient, which was informed to the exporter. The exporter however, did not respond to the letter sent by the Authority. The Authority notes that the exporter has partially cooperated in the investigation. The exporter gave information about the domestic sales to some select customers. It did not give information about all the transaction-wise home market sales. It also did not give response to authority's letter wherein other information was also called for. In the circumstances, the Authority could not come to conclusion as to how many sales in the home market were in the ordinary course of trade in terms of price. The exporter gave information about cost of production and profits in the different

appendices of the questionnaire. The Authority has considered it appropriate to use the information submitted by the exporter for normal value determination to the extent it can reasonably be relied upon. The authority has considered the cost of production, selling, general, administrative expenses and profitability for determining constructed normal value for the exporter. The normal value has been determined as US\$\*\*\* /sq mtr.

**11. Export Price for M/s PT Petrojaya Boral Plasterboard Indonesia:**

During the POI, the company made exports of Gypsum Plaster Board of \*\*\* sq mtr to India. The company had given sales price structure for export sales in Appendix 3A showing adjustments on account of ocean freight, cost of payment terms, trucking, THC and other shipping charges. After making these adjustments, the net export price at ex-factory level has been determined as US\$ \*\*\* per sq mtr.

**12. Other Exporter from Indonesia:**

There was no response from other exporter from Indonesia. The authority has considered the information of M/s PT Petrojaya and after making adjustments has adopted the normal value for other exporters from Indonesia. The normal value has been determined as US\$ \*\*\* sq. meter. The export price data furnished by PT Petrojaya has been considered for determining export price for other exporters and the export price has been determined as US\$ \*\*\* per sq. meter.

**13. Normal Value for M/s The Siam Gypsum Industry (Saraburi) Co. Ltd. (SGISB) and M/s SCT Co. Ltd. (SCT), Thailand:**

In response to the initiation notification, M/s The Siam Gypsum Industry (Saraburi) Co. Ltd. (SGISB) and M/s SCT Co. Ltd. (SCT), Thailand furnished response. SGISB is the producer of the subject goods. Domestic sales are made by another group company M/s Cemethai Sales & Marketing Co. Ltd. (CSM) and export sales are made by SCT. The Authority had sent detailed letter to the SGISB seeking more information and clarifications. The company provided some information but not fully. In the circumstances, the authority has considered that exporter has partially cooperated in the investigation. The company had domestic sales of \*\*\* Sq Mtr whereas they gave information about home market sales to some select customers. It did not give information about all the transaction-wise home market sales. In the circumstances, the Authority could not come to conclusion as to how many sales in the home market were in the ordinary course of trade in terms of price. The exporter gave information about cost of production and profits in the different appendices of the questionnaire. The Authority has considered it appropriate to use the information submitted by the producer for normal value determination to the extent it can reasonably be relied upon. The authority has considered the cost of production, selling, general, administrative expenses and profitability for determining constructed normal value for the exporter. In response to the Disclosure, the consultant on behalf of M/s Siam

Gypsum Industries (SGISB) contended that detailed disclosure has not been made to M/s Siam Gypsum or M/s Lafarge. The Authority had given the detailed methodology of determination of normal value in the Disclosure Statement. The actual numbers of normal value had also been conveyed to the exporter through the confidential disclosure sent to them. The normal value has been determined as US\$\*\*\* /sq mtr at ex-factory level.

#### 14. Export Price for M/s SCT, Thailand:

M/s SCT gave information about their exports to India During the POI, the company made exports of Gypsum Plaster Board of \*\*\* sq mtr to India. The company had given sales price structure for export sales in Appendix 3A showing adjustments on account of Inland freight, terminal handling charges, customs clearance and other port charges. After making these adjustments, the net export price at ex-factory level has been determined as US\$ \*\*\* per sq mtr.

#### 15. Other exporters from Thailand:

There was no response from other exporters from Thailand. The authority has considered the information of the exporter, M/s SGISB and M/s SCT and after making adjustments has adopted the normal value for other exporters from Thailand. The normal value has been determined as US\$ \*\*\* sq. meter. The export price data furnished by M/s SCT has been considered for determining export price for other exporters. The export price has been determined as US\$ \*\*\* per sq. meter.

#### 16. Dumping Margin :

The Authority followed the consistent practice of adopting the principles governing the determination of Normal Value, Export Price and Margin of Dumping as laid down in Annexure I to the anti-dumping rules. Dumping margins have been determined on the basis of a fair comparison of Export Price with the Normal Value in pursuance of the principle laid down in Para 6 of Annexure-1 to the Rules. The comparison is at the same level of trade, i.e. Ex-factory level. Normal Value at ex-factory level has been compared with the export price at ex-factory level of relevant comparable type of Gypsum Plaster Board. Based on the Normal Value and export price as determined above, the Authority has determined the following dumping margins (%):

| \$ per sq. mtr.  | Indonesia-PT<br>Petrojaya Boral | Indonesia-Other<br>Exporters | Thailand- SCT<br>Co. Ltd. | Thailand-<br>Other<br>Exporters |
|------------------|---------------------------------|------------------------------|---------------------------|---------------------------------|
| Normal Value     | ***                             | ***                          | ***                       | ***                             |
| Export Price     | ***                             | ***                          | ***                       | ***                             |
| Dumping Margin   | ****                            | ***                          | ***                       | ***                             |
| Dumping Margin % | 45.01                           | 61.87                        | 34.04                     | 106.56                          |

**E. INJURY TO THE DOMESTIC INDUSTRY**

17. Rule 11 of Anti Dumping Rules reads as follows:  
"Determination of Injury:

(1) In the case of imports from specified countries, the designated authority shall record a further finding that import of such article into India causes or threatens material injury to any established industry or materially retards the establishment of any industry in India;

(2) The designated authority shall determine the injury to domestic industry, threat of injury to domestic industry, material retardation to establishment of domestic industry and a causal link between dumped imports and injury, taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on price in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles and in accordance with the principles set out in Annexure II to these rules."

**18. Issues raised by the domestic industry :**

The domestic industry has furnished information in the application regarding injury in respect of all the parameters. The domestic industry made following claims regarding injury:

**(i) Imports :**

Imports from subject countries have increased more than three and half times of the imports during 2001-02. Further, imports from subject countries in comparison to the total demand have increased by more than two times of the level during 2001-02. Imports from subject countries have also increased in relation to the domestic production of subject goods.

**(ii) Effect of dumped imports on domestic prices:**

The landed price from subject countries have declined drastically from Rs.69459/- per 1000 sq. meter in the year April- March 2002 to Rs.55294/- per 1000 sq. meter during the POI. The price of the dumped imports are very low as against the price offered by the domestic industry during POI, forcing the domestic industry to reduce its prices directly affecting their profits.

**(iii) Changes in market share held by the Indian producer:**

The share of the domestic industry has declined from 97.49% in 2001-02 to 93.95% during POI. The loss of market share of domestic industry has directly been taken over by the dumped import from the subject countries. Besides the loss of market share, the domestic industry is getting severely affected due to the low price offered by the exporters from the subject countries.

**(iv) Evidence of loss of contracts:**

The domestic industry claimed that due to the dumped imports, it had lost sales and provided evidence regarding loss of contracts/projects.

**(v) Production, capacity utilization :**

The demand for the subject goods has been growing in the country. Capacity utilization increased from 45.58% during 2001-02 to 62.16% during POI. The industry made conscious attempts to keep the production and capacity utilization at high levels to ensure that it does not suffer further injury on account of increasing per unit cost. The increase in production was on account of increase in demand.

**(vi) Sales volume and value:**

The sales of the petitioner went up during POI in comparison to the year 2000-01. The increase in sales is on account of increase in demand. While the sales volume has gone up, the sales realization per unit has drastically come down during the POI. The domestic industry is not able to realize a fair price or a reasonable rate of return because of the pressure on prices from imports from subject countries as shown by the following table (indexed):

| Year                | Sales Volume (SQM) | Sale Value (Rs./Lakh) | Unit Price (Rs./1000 sqm) |
|---------------------|--------------------|-----------------------|---------------------------|
| 2000-01             | 100                | 100                   | 100                       |
| 2001-02             | 108                | 104                   | 97                        |
| 2002-03             | 109                | 91                    | 84                        |
| Jan'03-Dec'03 (POI) | 147                | 130                   | 89                        |

**(vii) Profits:**

Dumping of subject goods from Indonesia and Thailand had a significant impact on the net sales realization by the domestic industry. The net sales realization declined during POI in comparison to the year 2000-01 and 2001-02. The domestic industry had to compete with the aggressive low price imports from subject countries. The profit declined from Rs.\*\*\* per 1000 sq. meter to Rs.\*\*\* per 1000 sq. meter during the POI. The domestic industry remained profitable due to significant cost cutting exercised. The domestic industry will soon slip into red if it is forced to match the low and dumped prices of imports. Despite best efforts, the industry is not able to realize the desired profits due to the dumped imports.

**(viii) Productivity:**

The productivity per employee has improved. This indicates that decline in productivity is not a cause of injury to the domestic industry.

**(ix) Employment :**

There has been a serious impact on employment position as the number of employees reduced during the POI as compared to the year 2001-02. All bonuses other than the statutory bonus have been reduced substantially in the POI. Due to the pressure on prices, the Company had to reduce its work force and also re-organize by transferring some of the workers at Jind Plant to Chennai Plant. This resulted in a strike at the Jind Plant during March 2002 to August 2002. Thus dumping from subject countries has resulted not only in decline in market share of domestic industry, lower net sales realization, decreased profitability and employment but has also affected the efficient and smooth working of the company.

**(x) Price Undercutting:**

The landed value of dumped imports has been significantly below the selling price of the domestic industry causing price undercutting.

**(xi) Price Underselling:**

The landed value of the dumped imports from subject countries has been much lower than the price the domestic industry ought to have realized on the sales of subject goods. Despite best efforts to cut cost and streamline the operation, the industry is not in a position to realize a reasonable price for their product.

**(xii) Return on investment (capital employed):**

The ROCE before interest is very low, which cannot be considered as adequate for this industry. The domestic industry had earned profits in the past and the ROCE was to the extent of \*\*\*% in 1997-98 and \*\*\*% in 1998-99 which is normal for the industry. The domestic industry has been able to remain profitable primarily on account of significant cost cutting and there is no scope to further reduce the cost. The loss or decline in profit is a clear indication of injury as the domestic industry is being forced to continuously reduce its price due to massive dumping.

**(xiii) Magnitude of margin of dumping:**

As per the estimates made by the domestic industry, the margin of dumping from subject countries is quite high.

**(xiv) Actual and potential negative effects on Cash Flow :**

The cash flow position of the company has improved which is only due to the huge cost cutting exercise.

**(xv) Growth:**

Due to rise in the market demand, the sales volume of the domestic industry is showing growth. However, the industry will not be able to maintain the growth in sales volume in the face of the dumped imports. Increase in sales was possible due to reduction in domestic industry's selling price.

**(xvi) Threat of injury:**

In addition to the material injury being caused by the dumped imports, the threat of material injury to the domestic industry is also imminent. The domestic industry provided information as per para (vii) of Annexure II of Anti Dumping Rules as regards significant rate of increase in dumped imports, sufficient freely disposable capacities of the exporters, evidence of imposition of anti-dumping duty on exports from Thailand and Indonesia by other countries, imports coming at dumped prices to have depressing or suppressing effect on domestic prices.

**19. Arguments raised by M/s Siam Gypsum Industries (Saraburi) Co. Ltd. (SGISB) – Exporter and M/s Vikas Trading Co. - Importer:**

It has been argued by above interested parties that India Gypsum has suffered no injury as a result of alleged dumping. On the contrary, their performance has improved over the period under consideration in terms of each of the parameters.

- The capacity utilization was 62% during POI. India Gypsum produced and sold to the extent of available demand and could not have produced and sold more because of insufficient demand in India.
- Imports have declined after showing an increase in 2002-03. Market share of domestic industry has increased during POI after declining in 2002-03.
- India Gypsum is having plans to add new capacity. The company has been adding capacities far disproportionate to the demand of the product in the country. Given the present demand of the product in the country and the capacity installed by the company, it is evident that the company would be able to utilize present capacity fully only by 2009-10. At present the Company cannot expect optimum plant utilization. Therefore, any injury on account of excess capacity cannot be attributed to dumped imports.
- Production of IGL is showing impressive growth and future production will also be higher. Therefore, there can be no injury on account of actual or potential decline in production.
- Sales volumes have shown significant increase. It cannot be argued that the company was prevented from selling more.
- Selling price of IGL has declined during 2001-02 to 2002-03 but increased thereafter. There was also significant decline in cost of production resulting in profits.
- Profits of IGL have increased more than the increase in production and sales volume.

- Inventories with IGL have fallen both in volume and value terms.
- India Gypsum had admitted that productivity has improved and therefore, this cannot be a cause of injury.
- Though IGL claims that it has faced decline in return on investment, the fact is that the same has improved over the injury period. The company has shown higher capital employed during the POI. The capital employed should be correctly assessed to examine the return on capital employed.
- The domestic industry was able to realize better prices and profitability in spite of alleged price undercutting. Therefore, existence of price undercutting, per se, may not be sufficient to hold that the domestic industry has suffered material injury. The comparison of price for price undercutting may be done at the level of consumer in view of involvement of transportation cost.
- Cash flow position of the company improved and no injury can be claimed on this account.
- IGL had undertaken substantial reduction in employment. The company is able to produce higher volumes with low manpower which clearly implies that the company was overstaffed.
- Company's profits would have been higher if the wages would not have increased so disproportionate to production. Such injury cannot be passed to the alleged dumping.
- India Gypsum has posted positive growth in respect of all parameters relating to its performance. The company cannot claim any deterioration in performance.
- As regards claim of threat of injury, the same cannot be sustained as the rate of increase in imports is not so high. As regards the freely disposable capacities with the exporters, there is no new capacity being developed by these foreign producers. There is nothing new or alarming happened which would have implied surge in imports. As regards anti dumping duty imposed by other countries on the exporters from subject countries, some of these actions are old. It is an assumption of the domestic industry that with the imposition of anti dumping duty by other countries, foreign producers would look for Indian market. There is no adverse impact of imports on the domestic prices.



**20. Arguments made by M/s M/s Shapoorji Pallonji & Co. Ltd. Mumbai**

- India Gypsum is the only company manufacturing Gypsum Boards in India and has a market share of 95%.
- The quantity being imported from other countries is very nominal compared to the quantity being sold by the domestic industry.
- The price at which Gypsum Board are sold in India by IGL are much less than the price at which imported boards are being sold in India. The petition filed by IGL for imposing of Anti Dumping Duty is aimed at creating monopoly which can result in increase in prices to the customer.

**21. Rejoinders made by the domestic industry and other interested parties on the various arguments made by the interested parties after public hearing.**

The domestic industry claimed that it had supplied the correct figures for computation of capital employed and correctly computed the return on investment. They submitted detailed rejoinders on the arguments made by the exporters/importer. The exporter M/s Siam Gypsum and M/s Vikash Trading Company also filed rejoinder on the submissions made by the domestic industry. The Authority has considered these arguments while analyzing the essential facts for these disclosures statement.

**22. Comments subsequent to Disclosures**

In response to the Disclosures, the domestic industry has argued that the legal position is clear that injury can be established if one of the two effects i.e. volume effect or the price effect is there. Further, as per Article 3.2 of the Agreement, no one or several of these factors can necessarily give decisive guidance. The domestic industry is suffering injury on account of extremely significant volume effect in terms of loss of market share of the domestic industry. The increase in capacity utilization may be seen with respect to increase in demand and the declining market share of the domestic industry. Likewise the increase in sales volume must also be seen in the light of the fact of increase in demand and declining market share of the domestic industry. The determination of non-injurious price by the Authority is incorrect. Even with the incorrect determination of NIP, the Authority has found significant price underselling. As regards factors affecting domestic price and price depression, the domestic industry has reiterated that the cost of the domestic industry has declined largely on account of interest cost. The domestic industry is forced to reduce its prices due to dumped imports. As regards profitability, the Authority may consider the analysis of profit before interest. The marginal increase in profits after interest cannot be seen in isolation. Even the present low level of profitability is not maintainable unless the anti dumping duty is imposed. As regards return on investment, it has

been claimed by the domestic industry that working capital is an important ingredient and cannot be ignored. It has been claimed by the domestic industry that analysis of injury factors as explained by them will indicate that the domestic industry has suffered material injury.

### **23. Cumulative assessment of injury:**

As per annexure-II (iii), in cases where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-dumping investigation, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that (a) the margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the imports of like article --- and (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article. The Authority has found that the margin of dumping in respect of each of the subject country is more than 2% and the volume of imports from each country is also more than 3%.

With a view to assess the conditions of competition between imported products and the conditions of competition between the imported products and the like domestic product, the Authority's views are that:

- (i) The subject goods have been imported from the subject countries under the same tariff classification;
- (ii) The Authority has found that the imported subject goods are commercial substitutes of the domestically produced Gypsum Plaster Board.
- (iii) The information furnished by the importers gives a reasonable indication that the exports made from the subject countries compete in the same market as these are similar products.
- (iv) Therefore, the Authority finds it appropriate to cumulatively assess the effect of imports of the subject goods on the domestically produced like article in the light of conditions of competition between imported products and the conditions of competition between the imported products and the like domestic product.

### **24. Examination by the Authority :**

The authority has considered various arguments made by the interested parties as regards the injury claimed to have been suffered by the domestic industry. The Authority has also conducted verification of information furnished by the

domestic industry. The information regarding the various injury parameters has been examined and analyzed by the Authority as under:

## 25. Volume of Imports:

The Authority has taken note of information regarding imports of subject goods as reflected by the official statistics published by the DGCI&S, information furnished in application based on secondary sources, the responses of the exporter and some importers. There is no dedicated classification for Gypsum Plaster Board. After examination of the information available from different sources, Authority considered it appropriate to make analysis of volume of imports on the basis of import data as per secondary source as under:

| Country/Imports Sq Mtr.              | 2000-2001 | 2001-2002 | 2002-2003 | Jan-Dec 2003 POI |
|--------------------------------------|-----------|-----------|-----------|------------------|
| Indonesia                            | 107609    | 97970     | 245995    | 204227           |
| Thailand                             | 32893     | 22898     | 412587    | 231561           |
| Total imports from subject countries | 140502    | 120868    | 658582    | 435788           |
| Other countries                      | 4686      | 8953      | 669       | 6824             |
| Total imports                        | 145188    | 129821    | 659251    | 442612           |

The total imports of subject goods from subject countries increased from 140502 sq mtr in 2000-01 to 435788 sq. mtr. in POI. The increase in imports from subject countries was 210 % during the POI over the year 2000-01. These imports represented about 98.45 % of total imports. Authority noted that there was an increase in imports of subject goods from subject countries in absolute terms.

## 26. Market share:

The Authority finds that the market share of the domestic industry and the imports from the subject countries in the demand of subject goods has been as under:

| Quantity-sq. mtr.                                  | 2000-2001 | 2001-2002 | 2002-2003 | POI     |
|--|-----------|-----------|-----------|---------|
| Imports-total                                      | 145188    | 129821    | 659251    | 442612  |
| Sales of domestic industry                         | 4674000   | 5033791   | 5071958   | 6868345 |
| Demand   | 4819188   | 5163612   | 5731209   | 7310957 |
| Imports from subject countries                     | 140502    | 120868    | 658582    | 435788  |
| Imports from other countries                       | 4686      | 8953      | 669       | 6824    |
| Share in demand-imports from subject countries (%) | 2.91      | 2.34      | 11.49     | 5.96    |
| Share in demand-domestic                           | 96.98     | 97.49     | 88.5      | 93.95   |

|   |      |      |      |      |
|---|------|------|------|------|
| Industry (%)                                      |      |      |      |      |
| Share in demand- imports from other countries (%) | 0.10 | 0.17 | 0.01 | 0.09 |

The Authority finds that the share of imports of subject goods from subject countries has risen from 2.91 % during 2000-01 to 5.96% during POI. There is thus an increase in the dumped imports from subject countries in relation to the demand of the product in the country. The share of domestic industry in total demand has gone down from 96.98% in 2000-01 to 93.95 % during the POI.

## 27. Production and Capacity Utilisation:

The production and capacity utilization of the domestic industry has been as under :

|                                | 2000-2001 | 2001-2002 | 2002-2003 | POI   |
|--------------------------------|-----------|-----------|-----------|-------|
| Capacity (sq. meter) (indexed) | 100       | 100       | 100       | 100   |
| Production (sq. mtr) (indexed) | 100       | 104       | 111       | 141   |
| Capacity Utilization %         | 44        | 45.58     | 48.83     | 62.16 |

The Authority finds that there has been improvement in the capacity utilization of the domestic industry during the period of investigation in comparison to the earlier years. The capacity utilization increased to 62.16% during POI from 44% during 2000-01.

## 28. Sales Volume:

Sales volumes of domestic industry increased from \*\*\* sq. meter during 2000-01 to \*\*\* sq. meter during POI. The sales during injury period were as under:

|                   | 2000-2001 | 2001-2002 | 2002-2003 | POI |
|-------------------|-----------|-----------|-----------|-----|
| Sales (sq. meter) | ***       | ***       | ***       | *** |
| Indexed           | 100       | 108       | 109       | 147 |

## 29. Inventory :

## Indexed

|                        | 2000-2001    | 2001-2002   | 2002-2003   | POI         |
|------------------------|--------------|-------------|-------------|-------------|
| Sq. Meter<br>(indexed) | ***<br>(100) | ***<br>(65) | ***<br>(95) | ***<br>(88) |
| % of sales             | ***          | ***         | ***         | ***         |

The inventory of finished stock of the domestic industry as a percentage of sales has declined during the POI in comparison to the year 2000-01. However, it had increased in the previous year.

### 30. Price Undercutting

The Authority finds that the price undercutting due to the dumped imports has been as under:

|                           | Indonesia- | Thailand |
|---------------------------|------------|----------|
| Average NSR               | ***        | ***      |
| Landed Value              | ***        | ***      |
| Price Undercutting        | ***        | ***      |
| %age Price Undercutting   | ***        | ***      |
| Price under-cutting range | 25-35%     | 35-40%   |

The Authority has taken note of the arguments of some interested parties about the price undercutting methodology and that the prices of the imported boards being sold are higher than the domestic product. The Authority has used the consistent method of comparison of weighted average net sales realization of the domestic industry with the landed value of the dumped imports. The value of the sales realization considered is net of discounts, commission, and handling/freight charges. The comparison of domestic price with the imported product is thus at the same level. The authority finds that the price under cutting as a result of dumped imports has been significant.

### 31. Price underselling

The Authority finds the price underselling as a result of dumped imports as under:

|                           | Indonesia | Thailand |
|---------------------------|-----------|----------|
| Non-Injurious Price (NIP) | ***       | ***      |
| Landed Value              | ***       | ***      |
| Price Underselling        | ***       | ***      |
| %age Price Underselling   | ***       | ***      |

|                           |          |          |
|---------------------------|----------|----------|
| Price under-selling range | 20 - 30% | 30 - 40% |
|---------------------------|----------|----------|

The authority finds that the extent of price underselling has been significant as the landed value of imports of subject goods of subject countries has been significantly lower than the non-injurious price of the domestic industry.

### 32. Factors affecting domestic prices:

The Authority notes that the level of price undercutting is significant as a result of dumped imports. Further, price under selling is also evident as the landed value of imports is significantly lower than the non-injurious price of the domestic industry. However, the sales realization of the domestic industry is higher than the non-injurious price determined for the domestic industry. The domestic industry took steps to reduce its cost of production. Cost of production of domestic industry has been declining. The sales realization has also declined. There is no clear evidence of price depression as a result of dumped imports. As the cost of production of the domestic industry has been declining during the POI, there was no price suppression. The information regarding the development of sales realization and cost of production of the domestic industry was found to be as under (indexed):

|                                       | 2000-2001 | 2001-2002   | 2002-2003   | POI         |
|---------------------------------------|-----------|-------------|-------------|-------------|
| Cost of production per 1000 sq. meter | *** (100) | *** (94.57) | *** (92.84) | *** (89.42) |
| Selling price per 1000 sq. meter      | *** (100) | *** (96.53) | *** (84.28) | *** (88.78) |

### 33. Magnitude of the margin of dumping :

The Authority finds that the magnitude of the margin of dumping of subject goods from the subject countries has been in the range of 34 % to 45 % in respect of exporters who had responded, which is considered significant.

### 34. Employment :

The employment level of the company has been as under :

|           |           |             | Indexed     |
|-----------|-----------|-------------|-------------|
| 2000-2001 | 2001-2002 | 2002-2003   | POI         |
| *** (100) | *** (90)  | *** (80.52) | *** (84.42) |

The authority finds that the number of employees employed by the domestic industry has reduced. The reduction in the number of employees can also be attributed to the cost cutting measures taken by the company.

### 35. Wages :

The authority found that the payment of wages to employees was as under:

|                         | 2000-2001    | 2001-2002      | 2002-2003       | Indexed<br>POI  |
|-------------------------|--------------|----------------|-----------------|-----------------|
| Wages paid<br>(Rs/lakh) | *** (100)    | *** (85.43)    | *** (82)        | *** (119.42)    |
| Wages per<br>employee   | ***<br>(100) | ***<br>(94.88) | ***<br>(101.77) | ***<br>(141.64) |

The authority notes that the increase in payment of wages / salary to the employees has shown the normal trend. With the reduction of number of employees, the wages per employee have also shown an increase.

### 36. Profitability:

| Year                  | Net Sales<br>Realization<br>(Rs./000 sq. m) | Cost of Production<br>(Rs./000 sq. m) | Profit/Loss per<br>1000 sq. m<br>Indexed |
|-----------------------|---|---------------------------------------|--|
| 2000-01               | ***   | ***                                   | ***                                      |
| Indexed               | 100   | 100                                   | 100                                      |
| 2001-02               | ***   | ***                                   | ***                                      |
| Indexed               | 96.53                                       | 94.36                                 | 162.75                                   |
| 2002-03               | ***   | ***                                   | (-) ***                                  |
| Indexed               | 84.28                                       | 92.84                                 | (-) 277.79                               |
| Jan-Dec<br>2003 (POI) | ***   | ***                                   | ***                                      |
| Indexed               | 88.78                                       | 86.80                                 | 149.33                                   |

The Authority finds that the profitability on per unit sale of subject goods of domestic industry has shown improvement in the POI in comparison to the year 2000-01. Though in the year 2002-03, the company suffered losses on the sale of subject goods. The sales realization came down in comparison to the years 2000-01 and 2001-02. However, the cost of production also declined significantly.

### 37. Return on Investment:

|                        | 2000-2001 | 2001-2002 | 2002-2003 | POI    |
|------------------------|-----------|-----------|-----------|--------|
| Capital employed       | ***       | ***       | ***       | ***    |
| Profit before interest | ***       | ***       | (***)     | ***    |
| ROCE (%)               | 100       | 131.95    | (-)153.56 | 123.92 |

It has been argued by the exporter and the importer that the company has shown higher capital employed during the POI and that is why ROCE is showing declining trend during POI. The Authority has taken note that the annual report of the company for year 2003-04 shows significantly higher cash and bank balances under Schedule 7 of the Balance Sheet. This can also be one of the reasons for a low return on the capital employed as claimed by the company. For this analysis, the Authority has excluded the fixed deposit from the working capital, as it is not related to the production of subject goods. It is found that the ROCE has improved during the POI. This ROCE is before interest.

### 38. Actual and potential negative effect on cash flows

The figure of cash profit in respect of subject goods has been found as under (Indexed):

|  | 2000-2001 | 2001-2002 | 2002-2003 | POI |
|--|-----------|-----------|-----------|-----|
|  | ***       | ***       | ***       | *** |
|  | 100       | 126       | 12        | 98  |

The Authority notes that the cash profit of the company had declined marginally during POI.

### 39. Growth:

|                            | 2000-2001 | 2001-2002 | 2002-2003 | POI   |
|----------------------------|-----------|-----------|-----------|-------|
| Growth in demand (%)       | -         | 7.15      | 10.99     | 41.59 |
| Growth in Sales Volume (%) | -         | 7.70      | 0.76      | 35.41 |

### 40. Productivity :

The productivity has been as under :

|                         | 2000-2001 | 2001-2002 | 2002-2003 | POI    |
|-------------------------|-----------|-----------|-----------|--------|
| Production per employee | ***       | ***       | ***       | ***    |
| Indexed                 | 100       | 115       | 137.73    | 167.55 |



The authority finds that there is a significant improvement in productivity during the POI. This is largely attributed to the increased in production and reduction in number of employees during the POI.

#### **41. Non-Injurious Price (NIP)**

The domestic industry had raised certain issues regarding the computation of NIP. They had been allowed an opportunity to discuss these issues before the Authority's office. It had been explained to them that the determination of NIP by the Authority had taken into account, *inter-alia*, the following:

- (a) Exclusion of fixed deposits while arriving at the working capital has been done as these did not appear to be related to the product concerned and production activity. The company had also not claimed the interest income from these deposits as related to the subject goods.
- (b) Normative capacity determination is based on the consistent practice of DGAD.
- (c) Stock write-off has not been allowed during the period of investigation as this was an abnormal feature during the period of investigation and pertained to earlier period.

#### **42. Conclusions on Injury:**

The Authority notes that volume of dumped imports have increased during POI in absolute terms as well as in relation to the demand of the product in India. The share of the dumped imports has gone up from 2.91 % to 5.96%. The share of domestic industry in total demand has come down from 96.98 % to 93.95%. Factors such as production, capacity utilization, sales, have shown improvement and do not signify injury. However as the demand for the product is increasing, the domestic industry had shown improvements on these factors. The inventory of finished goods has also declined and does not show injury.

The magnitude of the margin of dumping has been found to be in the range of 34% to 45% based on the data of exporters who have partially cooperated. The dumping margin is significant. The price undercutting is also evident as a result of dumped imports. However, the net sales realization of the domestic industry is above the Non-Injurious Price of the like domestic product. Though the domestic industry may have been required to lower selling prices, yet they have been able to realize selling price above the Non-Injurious Price. Factors such as wages and employment do not give any decisive guidance. The profitability of the industry in per unit sale of the subject goods has shown improvement. This is largely due to the cost reduction by the company on account of lower finance cost. The return on capital employed has shown improvement. The cash profit

has marginally declined during the POI in comparison to the year 2000-01. Productivity of the company has shown significant improvement.

On an overall assessment, the Authority found that the domestic industry showed improved performance on factors such as production, capacity utilization, sales and inventory of finished goods. The productivity of the industry has also improved. The return on capital employed also improved despite the decline in the net sales realization. The industry was able to achieve net sales realization above the non-injurious price determined for the period of investigation. Though the margin of dumping from subject countries and price undercutting was found to be significant, yet the overall performance of the industry showed improvement. There was a small decline in the market share of the domestic industry, however, this did not manifest in the overall decline in their performance on various parameters. The dumped imports did not cause an effect on the domestic industry, which can be termed as a material injury. The authority thus concludes that the domestic industry did not suffer material injury.

#### **43. Threat of Material Injury:**

As per para (vii) of the Rules, a determination of a threat of material injury shall be based on facts and not merely on allegation, conjecture or remote possibility. The change in circumstances which would create a situation in which the dumping would cause injury must be clearly foreseen and imminent. In making a determination regarding the existence of a threat of material injury, the designated authority shall consider, inter alia, such factors as:

- (a) a significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation;
- (b) sufficient freely disposable, or an imminent, substantial increase in, capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian markets, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports;
- (c) whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports; and
- (d) inventories of the article being investigated."

44. An analysis of the above factors for the purpose of examining the existence of threat of material injury is as under:

- a. **Significant Rate of Increase in Dumped Imports:** The imports from the subject countries have shown a significant increase during the period of investigation as compared to the preceding period. The imports have gone up from 140502 Sq mtr in April 2000-March 2001 to 435788 Sq mtr during

the POI. The increase in imports during the period of investigation is more than 210% of the imports of the year April 2000-March 2001.

- b. **Sufficient Freely Disposable Capacities of the Exporters:** As per the information made available during the investigation it has been claimed by the domestic industry that the capacities in Thailand and Indonesia are about 114 Million Sq mtr and 47 Million Sq mtr. respectively. As against this, the demand or apparent consumption in these two countries is only to the extent of 43 Million Sq mtr. and 18 Million Sq mtr. as seen from the following table:

|                | Capacity<br>(In Million<br>SQM) | Domestic Sale<br>(In Million<br>SQM) | Surplus<br>Capacity<br>(In Million SQM) |
|----------------|---------------------------------|--------------------------------------|---|
| Thailand       |                                 |                                      |   |
| A) Thai Gypsum | 34                              | 20                                   | 14                                      |
| B) Lafarge     | 80                              | 23                                   | 57                                      |
| Total Thailand | 114                             | 43                                   | 71                                      |
| Indonesia      | 47                              | 18                                   | 29                                      |
| Grand Total    | 161                             | 61                                   | 100                                     |

Whereas M/s Thai Gypsum Products is a related company, the capacity of the other producer M/s Siam Gypsum of Lafarge group is less than what has been indicated in the above claim; though the concerned exporter has not contested the above figure in their rejoinders. However from the response of the Thai exporter M/s Siam Gypsum Ltd. it is evident that less than 50% is sold in the domestic market and rest is exported to other countries and India. It has also been brought to the notice of the Authority that anti dumping duty has been imposed on exports of the subject goods from Thailand by other countries viz. Malaysia and South Africa.

- c. **Effect of Dumped Prices:** The imports from subject countries during the investigation period were found to be at dumped prices. However, there was no clear indication as regards the effect of depression of the domestic prices of subject goods.
- d. As regards the inventory of subject goods with the foreign producers/exporters, no clear information had been furnished to the Authority to take a view.

In response to the Disclosures, it has been argued by the domestic industry that there is positive information with regard to the threat of injury to the domestic industry. Further, it has been argued that it is a settled law that it is not necessary for a positive determination of threat of injury that each and every

factory should show positive injury more so when there is a clear indication of material injury as well.

The Authority has examined the arguments of the domestic industry as regards threat of material injury. The Authority has not made an affirmative determination on material injury. The authority has taken note of the increase in the dumped imports from subject countries. These have not resulted in material injury to the domestic industry. As provided under the Rules, a determination of threat of material injury is to be based on facts and not merely on allegation, conjecture or remote possibility. The authority is not convinced to conclude that threat is held out of the available capacities in subject countries that would be targeted to India alone. The authority does not find the claim of threat of material injury of domestic industry as sustainable.

#### 45. Causal Link

The domestic industry has claimed that material injury has been caused by the dumped import and that there is a threat of material injury. They have advanced arguments in support of claim of causal link between dumped imports and the injury suffered by them. The exporter M/s Siam and importer M/s Vikash Trading have argued that the domestic industry has failed to bring in parameters/evidence showing causal link as per article 3.5 of the Agreement.

In view of Authority's negative determination on material injury and threat of material injury, the Authority does not consider it necessary to record its findings on causal link.

#### F. CONCLUSIONS

46. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- (i) Gypsum Plaster Board has been exported to India from subject countries below the normal value;
- (ii) However, the domestic industry has not suffered material injury. Further there is no threat of material injury from the imports of subject goods from subject countries.

47. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority